साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 30 | जौनपुर, सोमवार, 16 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

दस वर्षों में लोकतांत्रिक ढांचे को खत्म करने का संगठित प्रयास हुआ – खरगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कहा कि 2024 भारत के लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण साल है। जब 140 करोड़ भारतीयों ने ऐसा फैसला दिया है जो हमारे राष्ट्र निर्माताओं द्वारा कड़ी मेहनत से बनाए गए हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों पर विश्वास बढ़ाता है। खरगे ने आरोप लगाया कि बीते 10 वर्षों में देश के लोकतांत्रिक ढांचे को खत्म करने का संगठित प्रयास हुआ।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के कथन का जिक्र करते हुए कहा कि लोकतंत्र सरकार का सबसे अच्छा रूप है। यह लोगों को यह बताने का अधिकार देता है कि वे कैसे शासन करें और कैसे अपने नेताओं को जवाबदेह ठहराएं। 2024 के आम चुनाव परिणामों को लेकर खरगे ने कहा कि श्वर्ष 2024 भारत के लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष है। 140 करोड़ भारतीयों ने ऐसा फैसला दिया है जो हमारे राष्ट्र निर्माताओं द्वारा कड़ी मेहनत से बनाए गए हमारे दीर्घकालिक संस्थानों पर विश्वास करता है।

भारत की परंपरा जियो और जीने दो की रही - योगी

गोरखपुर, संवाददाता। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दुनिया में जब सभ्यता, संस्कृति और मानवीय मूल्यों के प्रति आग्रह नहीं था तब भारत मे सभ्यता, संस्कृति और मानवीय जीवन मूल्य चरम पर थे। भारतीय सभ्यता और संस्कृति प्राचीन काल से लेकर अर्वाचीन काल तक लोकतांत्रिक मूल्यों से परिपूर्ण रही है। इसका उद्देश्य किसी का हरण करना या किसी पर जबरन शासन करना नहीं था बल्कि इसकी भावना 'सर्वे भवंतु सुखिनः' की रही है। इसका नया स्वरूप आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ सबका विकास' के संकल्प में दिखता है। हमारी

ऋषि परंपरा जियो और जीने दो की रही है क्योंकि यही सच्चा लोकतंत्र है और इस मूल्यपरक लोकतंत्र को किसी और ने नहीं बल्कि भारत ने दिया है। सीएम योगी रविवार को युगपुरुष ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ जी महाराज की 55वीं और राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की 10वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में समसामयिक विषयों के सम्मेलनों की श्रृंखला के पहले दिन 'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषयक सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे थे। सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह का अभिनंदन करते हुए सीएम योगी ने कहा कि लोकतंत्र को लेकर वैदिक कालखंड से लेकर रामायणकालीन और महाभारतकालीन अनेक उद्धरण देखने को मिलते हैं। भारत के लोकतंत्र में प्राचीन समय से लेकर आज तक जनता की आवाज और जनता के हित को ही सर्वोपरि रखा गया है। भारतीय सभ्यता में हमेशा ही यह कह गया है कि प्रजा का सुख ही राजा का दायित्व है। रामायण काल में भगवान श्रीराम ने भी अक्षरशः जनता की आवाज को महत्व दिया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी खुद को कभी राजा नहीं समझा। उनके समय में वरिष्ठ व्यक्ति के नेतृत्व में गणपरिषद शासन का कार्य देखती थी। द्वारिका में जब अंतर्द्वंद्व प्रारंभ हुआ तब इस परिषद के सदस्य आपस में लड़कर मर–मिट गए। उस समय भगवान श्रीकृष्ण ने परिषद के सदस्यों की दुर्गति पर कहा था कि राज्य के नियम प्रत्येक नागरिक पर समान रूप से लागू होते हैं।

लोकतंत्र में जनता का हित ही सर्वोच्च

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश में कुछ लोगों पर गुलामी की मानसिकता आज भी हावी है। जबकि भारत में लोकतंत्र की जड़ें प्राचीन समय से ही गहरी रही हैं। उन्होंने बताया कि भारत तब गुलाम हुआ जब लोकतंत्र की विरासत को संजोने में चूक हुई।प्राचीन भारत में निरंकुश राजा को सत्ताच्युत करने का अधिकार जनता के प्रतिनिधित्व वाले परिषद के पास होता था। लोकतंत्र में यह स्पष्ट है कि जनता का हित ही सर्वोच्च है। प्राचीन काल में देखें तो वैशाली गणराज्य इसका एक उदाहरण है जहां पूरी व्यवस्था जनता के हितों के लिए समर्पित थी।

'लोकतंत्र की जननी है भारत' विषयक सम्मेलन के मुख्य अतिथि राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने कहा कि लोकतंत्र के संस्कार पांच हजार वर्ष पुराने भारतीय मूल्यों से गढ़े गए हैं। सही मायने में भारतीय मूल्यों और संस्कारों से ही लोकतंत्र चल रहा है। कहा कि खुलकर अपनी बात रखना ही लोकतंत्र का यथार्थ है और यह मूल्य भारत की हजारों वर्षों की परंपरा में निहित रहे। भारतीय लोकतंत्र में जनता को हर प्रकार की आजादी के साथ खामी को भी ठीक करने की गुंजाइश है। अंग्रेजी मूल्यों से प्रभावित लोगों ने ही भारतीय लोकतंत्र को आयातित समझने की भूल की है। इस भूल का कारण यह रहा कि भारतीय लोकतंत्र को यूनान को नजर से देखने की आदत डाली गई। उन्होंने कहा कि भारत को आजादी मिलने के बाद कई विदेशी विद्वानों ने कहा था।

2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए योजना तैयार - मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में तीन लाख करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है। सरकार ने कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को सुविधाजनक बनाने के लिए बुनियादी ढांचे में 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है। पीएम मोदी ने 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक व्यापक योजना तैयार की है। पिछले महीने के अंत में, पीएम मोदी ने महाराष्ट्र के पालघर जिले में 76,000 करोड़ रुपये की लागत वाली मेगा वधवन पोर्ट परियोजना और कई अन्य विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। मुंबई से बमुश्किल 150 किलोमीटर दूर दहानू कस्बे के पास स्थित वधवन बंदरगाह देश के सबसे बड़े गहरे पानी के बंदरगाहों में से एक होगा और केंद्र के बंदरगाह–आधारित अर्थव्यवस्था दृष्टिकोण को बढ़ावा देगा। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में बड़े बंदरगाहों को महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनाने की परिकल्पना करता है। इसके पूरा होने पर, इससे देश में 12 लाख नौकरियां और लगभग 1 करोड़ अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट में राजमार्गों, बंदरगाहों, रेलवे और बिजली संयंत्रों सहित बुनियादी ढांचे के क्षेत्र के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है, और विकास को गति देने और अधिक नौकरियां पैदा करने के लिए अगले पांच वर्षों तक इस योजना को जारी रखने की योजना है। सरकार ने अगले दशक में बंदरगाह क्षमता और बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए अपने 'मैरीटाइम इंडिया विजन 2030' के तहत बड़े पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इससे कुछ क्लस्टरों में आपूर्ति–मांग में असंतुलन पैदा हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप बंदरगाहों के लिए प्रतिस्पर्धा और मूल्य निर्धारण दबाव बढ़ सकता है। भारत सरकार पूंजीगत व्यय बढ़ाकर सड़क क्षेत्र में निवेश पर अधिक ध्यान केंद्रित करेगी। सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (डवत्ज्भ्) का इस क्षेत्र के लिए बजटीय आवंटन पिछले एक दशक में 8 गुना से अधिक बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 2.7 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो 22 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर को दर्शाता है।

अमित शाह प्रचार के आखिरी दिन तीन रैलियों को संबोधित करेंगे

जम्मू, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण के लिए प्रचार के आखिरी दिन यानी सोमवार को चिनाब घाटी में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक नेता ने रविवार को यह जानकारी दी। चिनाब घाटी के डोडा, किश्तवाड़ और रामबन जिलों तथा दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग, पुलवामा, कुलगाम और शोपियां जिलों में फैलीं 24 विधानसभा सीटों के लिए पहले चरण में 18 सितंबर को मतदान होगा। भाजपा प्रवक्ता और मीडिया केंद्र के प्रभारी अरुण कुमार गुप्ता ने बताया, ''गृह मंत्री 16 सितंबर को रामबन, किश्तवाड़ और पड्डेर में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को डोडा जिले में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में एक 'विशाल' जनसभा को संबोधित किया। वहीं, शाह एक पखवाड़े के

भीतर दूसरी बार जम्मू क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। शाह ने इससे पहले छह और सात सितंबर को जम्मू का दो दिवसीय दौरा किया था और विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा का घोषणापत्र जारी किया था। पिछले दौरे के दौरान उन्होंने कार्यकर्ता सम्मेलन को भी संबोधित किया था। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी आठ सितंबर को रामबन और बनिहाल में भाजपा उम्मीदवारों के समर्थन में दो चुनावी रैलियों को संबोधित किया। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने बताया कि प्रधानमंत्री 25 सितंबर को दूसरे चरण के मतदान और एक अक्टूबर को तीसरे चरण के मतदान से पहले चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए फिर से जम्मू–कश्मीर का दौरा करेंगे। गृहमंत्री और रक्षा मंत्री के अलावा भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे पी नड्डा का 20 सितंबर को जम्मूदौरा प्रस्तावित है। रेड्डी ने कहा, ''लोगों के अपार समर्थन को देखते हुए, इस बात को लेकर किसी के मन में कोई संदेह नहीं होना चाहिए कि भाजपा जम्मू–कश्मीर में अगली सरकार बनाएगी।

पीडीपी कश्मीर मुद्दा, अनुच्छेद 370 को दफन करने से भाजपा को रोकने के लिए चुनाव लड़ रही – महबूबा

जम्मू कश्मीर, एजेंसी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव केवल विकास कार्य करने के लिए नहीं लड़ रही है, बल्कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को कश्मीर मुद्दा और अनुच्छेद 370 को दफन करने से रोकने के लिए लड़ रही है। महबूबा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''यह भाजपा के लिए शर्म की बात है जो कहती रही है कि स्थिति में सुधार हुआ है, लेकिन वे पिछले 10 वर्षों में जम्मू कश्मीर में चुनाव नहीं करा सके। लोग नाराज हैं, उनका दम घुट रहा है। वे चाहते हैं कि एक ऐसी सरकार बने जो उनकी चिंताओं को दूर कर सके और उनकी मुश्किलों को खत्म कर सके। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी केवल नालियों और गलियों के निर्माण के लिए चुनाव नहीं लड़ रही है। उन्होंने कहा, ''हम इसलिए चुनाव लड़ रहे हैं कि भाजपा कश्मीर मुद्दा और अनुच्छेद 370 को दफन करना चाहती है। वह (भाजपा) चाहती है कि हर कोई केवल चुनाव के बारे में बात करे।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन हम इस बात पर अड़े हुए हैं कि कश्मीर मुद्दे का समाधान बहुत जरूरी है। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और गांधी परिवार पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कटाक्ष के बारे में पूछे जाने पर महबूबा ने कहा, ''उन्होंने कहा था कि वह लोगों के (बैंक) खातों में 15 लाख रुपये जमा करेंगे और हर साल दो करोड़ नौकरियां देंगे।

महिला आरक्षण कांग्रेस के लिए महिलाओं को पहचान दिलाने का अवसर - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने अब महिला आरक्षण को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण अधिनियम कांग्रेस के लिए महिलाओं को पहचान दिलाने का अवसर है। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) की 40वीं वर्षगांठ पर गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान वह भारत भर में ऐसी महिलाओं से मिले जो बदलाव के लिए संकल्पित थीं। कई महिलाओं में समाज में बदलाव लाने का जुनून, दृढ़ता थी। अन्याय के खिलाफ सबसे उग्र और निडर आवाज महिलाओं की ही थी। राहुल गांधी ने कहा कि आज के युग में महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में सार्थक अवसरों से वंचित करने का कोई कारण नहीं

है। पिछले चार दशकों में महिला कांग्रेस महिलाओं के न्याय के लिए निडर आवाज बनी है। अक्सर महिलाओं के खिलाफ खड़ी व्यवस्था में महिला कांग्रेस का प्रत्येक के लिए लड़ना और सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक शक्ति में अपनी हिस्सेदारी का दावा करना जरूरी है। मुझे जानकर खुशी है कि महिला कांग्रेस का सदस्यता अभियान पूरे भारत में चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है महिला कांग्रेस महिलाओं की अधिक से अधिक राजनीतिक भागीदारी के लिए काम करना जारी रखेगी। आपका अथक परिश्रम भारत की महिलाओं को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आधी आबादी पूरा हक एक सांवधानिक दायित्व है। इसके लिए कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। हमारे देश की नारी शक्ति ने स्वतंत्रता संग्राम से लेकर अंतरिक्ष उड़ान तक राष्ट्र निर्माण में समान योगदान दिया है। महिलाओं के अधिकारों के लिए सड़क से संसद तक लड़े और महिलाओं की असुरक्षा, मुद्रास्फीति, बेरोजगारी, सामाजिक शोषण, असमानता और स्त्रीद्वेषी मानसिकता के खिलाफ मजबूती से लड़े। उनको न्याय दिलाए।

महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनना मेरी कभी ख्वाहिश नहीं रही – उद्धव

अहमदनगर, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने की आकांक्षा कभी नहीं रखी। आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री पद के चेहरे के साथ उतरने के प्रति महा विकास आघाडी (एमवीए) सहयोगियों की अनिच्छा की पृष्ठभूमि में उनका यह बयान सामने आया है। अहमदनगर में प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए ठाकरे ने कहा कि उनकी (नवंबर) 2019 में भी मुख्यमंत्री बनने की इच्छा नहीं थी। ठाकरे ने कहा, ''चाहे मैं सत्ता में रहूं या नहीं, मैं लोगों के समर्थन से सशक्त महसूस करता हूं। बालासाहेब (ठाकरे) कभी भी सत्ता में नहीं थे, लेकिन लोगों के समर्थन के कारण सभी शक्तियां उनमें निहित थीं।'' वह पुरानी पेंशन योजना की बहाली के लिए प्रदर्शन कर रहे राज्य सरकार के कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। ठाकरे ने पिछले महीने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) और कांग्रेस से महा विकास आघाडी के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा तय करने के लिए कहा था, लेकिन उन्हें सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली। एमवीए के मुख्य वास्तुकार और राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि गठबंधन को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने की कोई आवश्यकता नहीं है। पवार ने कहा था कि मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार इस आधार पर तय किया जाएगा।

अरविंद केजरीवाल का बड़ा बयान, 2 दिन में देंगे इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दो दिन पहले सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति 'घोटाला' मामले में कुछ शर्तों के साथ जमानत दी थी,

जिसके बाद आज रविवार को वह पहली बार आम आदमी पार्टी के मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने 'आप' कार्यकर्ताओं को संबोधित किया और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। इसी के साथ उन्होंने एक बड़ा ऐलान किया। केजरीवाल ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि आज से 2 दिन बाद वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। इस्तीफा देने का ऐलान करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, श्आज से 2 दिन बाद मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दे दूंगा। अब जब तक दिल्ली की जनता अपना फैसला नहीं सुना देती है तब तक मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूँगा। मैं जनता के बीच में जाऊंगा, गली–गली में जाऊंगा, घर–घर में जाऊंगा और जब तक जनता का फैसला नहीं मिल जाता, तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा। जेल से बाहर आने के बाद अग्निपरीक्षा देना चाहता हूं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा, ..मैं 2 दिन बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहा हूं। जब तक जनता अपना फैसला नहीं दे देती, मैं मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठूंगा।

विधायकों की बैठक में होगा अगले मुख्यमंत्री पर फैसला

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, श्कुछ लोग कहते हैं कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई पाबंदियों के कारण हम काम नहीं कर पाएंगे। यहां तक घ्धकि उन्होंने भी हम पर पाबंदियां लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अगर आपको लगता है कि मैं ईमानदार हूं, तो मुझे बड़ी संख्या में वोट दें। मैं चुने जाने के बाद ही मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठूंगा। चुनाव फरवरी में होने हैं। मैं मांग करता हूं कि नवंबर में महाराष्ट्र चुनावों के साथ चुनाव कराए जाएं। चुनाव होने तक पार्टी से कोई और मुख्यमंत्री होगा। अगले 2–3 दिनों में विधायकों की बैठक होगी, जिसमें अगले मुख्यमंत्री पर फैसला होगा।

भाजपा पर केजरीवाल का आरोप

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, श्इन्होंने(भाजपा) एक और नया फॉर्मूला बनाया है जहां जहां ये चुनाव हारे वहां–वहां के मुख्यमंत्री पर फर्जी केस करके गिरफ्तार कर लो और उसकी सरकार गिरा दो। इन्होंने सिद्धारमैया, पिनाराई विजयन, ममता दीदी पर केस कर रखें हैं। ये एक विपक्ष के मुख्यमंत्री को नहीं छोड़ते सभी पर फर्जी केस करके जेल में डालते हैं और सरकार गिरा देते हैं।

गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों से केजरीवाल ने की ये विनती

केजरीवाल ने कहा, मैं देश के सारे गैर भाजपा मुख्यमंत्रियों से हाथ जोड़ कर विनती करना चाहता हूं अब अगर प्रधानमंत्री फर्जी केस करके आपको जेल में डालें तो इस्तीफा मत देना। किसी हालत में इस्तीफा मत देना, जेल से सरकार चलाना। ऐसा नहीं है कि हम पद के लालची हैं इसलिए क्योंकि हमारे लिए हमारा संविधान जरूरी है जनतंत्र को बचाना जरूरी है। इतनी भारी बहुमत से चुनी सरकार को आप जेल में डालकर कहोगे इस्तीफा दे।

15 अगस्त के दिन झंडा फहराने पर हुए विवाद पर क्या बोले केजरीवाल

15 अगस्त के दिन झंडा फहराने पर हुए विवाद पर बोलते हुए केजरीवाल ने कहा, मैंने एक किताब पढ़ी भगत सिंह की जेल डायरी।

अटल सेतु के नजदीक नयी सड़क बनने से मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे के यातायात में आएगी 50 प्रतिशत की कमी

पुणे, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि समुद्र पर बने अटल सेतु के नजदीक प्रस्तावित 14 लेन की सड़क बनने से मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर मौजूदा यातायात में 50 प्रतिशत की कमी आएगी। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित सड़क एक रिंग रोड के माध्यम से पुणे को जोड़ेगी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री अभियंता दिवस के अवसर पर सीओईपी टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित पूर्व छात्र समारोह में मुंबई–बेंगलुरु के लिए सड़क योजनाओं के बारे में बात कर रहे थे। उन्होंने कहा,''मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात का भारी दबाव है। अटल सेतु के पास 14 लेन की सड़क बनाई जाएगी तो यह सड़क मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे पर यातायात को 50 प्रतिशत तक कम कर देगी। यह सड़क आगे रिंग रोड के माध्यम से पुणे और फिर बेंगलुरु से जुड़ेगी।'' अटल सेतु देश में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल है और यह मुंबई के शिवड़ी को नवी मुंबई से जोड़ता है। गडकरी ने कार्यक्रम को

संबोधित करते हुए कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भारत दुनिया में तीसरे स्थान पर है और अगले 25 वर्षों में सभी वाहन जीवाश्म ईंधन से नहीं बल्कि बिजली से चलेंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हमारी तकनीक किफायती होनी चाहिए। हम सड़क बनाने के लिए कचरे का इस्तेमाल कर सकते हैं। नयी सड़कें बनाने के लिए करीब 80 लाख टन कचरे का इस्तेमाल किया गया है। अनुसंधानकर्ताओं के लिए काफी संभावनाएं हैं।अवधारणा पर जोर देते हुए कहा कि भारत को स्मार्ट शहरों की नहीं बल्कि स्मार्ट गांवों की जरूरत है।

संपादकीय

पौधा रोपण जितना आवश्यक है, उतना उसका संरक्षण एवं संवर्धन भी

(प्रोफे० जी० सी० पाण्डेय सरस्वती सम्मान प्राप्त पर्यावरणविद)

वृक्षों की पुरानी भारतीय संरकृति रही है। इसके पीछे धारणा यह थी कि हम लोग पृथ्वी का संरक्षण एवं संवर्धन करें। इन्हें काटें कम, लगाये ज्यादा क्योंकि इनमें देवता वास करते हैं। आज भी बरगद, पीपल, बेल, भामी, तुलसी, नीम, केला, बांस, दूब आदि को देवी देवताओं के तुल्य माना जाता है।

मां पृथ्वी को यदि हरा–भरा देखना है तो सिर्फ बहुउपयोगी पौधों का रोपण करें क्योंकि इससे लाखों जिन्दगियों को बचाया जा सकता है। प्रकृति के साथ छेड़–छाड करने से हमारे पारिस्थितिक तन्त्र का सन्तुलन बिगड़ रहा है जिससे प्रकृति उलटकर हमे बदला ले रही है। वस्तुस्थिति यह है कि आज कुछ राज्यों के जंगल के रकबे का सुधार हुआ है परन्तु कई राज्यों के जंगल क्षेत्रों में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

पौधा रोपण एक श्रेयस्कर कार्य है जो दे को प्रगति पथ पर लाता है। इसके रोपण का समय कई कारकों पर निर्भर करता है, जैसे पौधे की जाति–प्रजाति, क्षेत्र, भूमि, सिंचाई की सुविधा, वर्शा, तापमान, आदि। सामान्यतः पौधा रोपण बसन्त, मानसून, ठंडक, गर्मी एवं बरसात के दिनों में किया जाता है। जून की गर्मी के बाद वर्शा ऋतु में वृक्ष प्रेमी पौधा रोपण करते हैं। उसमें इस बात की चिन्ता नहीं रहती है कि रोपित पौधे ग्रीष्मकाल में बच पायेंगे या नहीं?

कई क्षेत्रों में आग से लाखों, करोडों पेड़ जल गए तथा इसके अलावा चन्य जीव, जड़ी बूटियां, घांस, छोटे–छोटे पौधे, पक्षी, सूक्ष्म जीव आदि के दिना। का कोई आंकड़ा नहीं है। प्रभावित क्षेत्रों में जैवविविधता को बचाने के लिए कोई उचित व्यवस्था नहीं है। इससे स्पष्ट है कि शासन/सरकारें पर्यावरण सुरक्षा के प्रति घोर लापरवाह है। अतः सरकार एवं पर्यावरण विभाग उतना ही पेड़ लगाये जितना उनकी देखभाल कर सके। जो लोग अपनी जिम्मेदारी से पौधारोपण करते हैं वे पौधे न तो सूखे की चपेट और न ही आग की चपेट में आते हैं। एक रिपोर्ट के आधार पर 73000 प्रजातियों से 3040 खरब पेड़ पूरे विश्व में मौजूद हैं लेकिन पता चलता है कि 15 अरब पेड़ विकास के नाम से काटे जाते हैं, तथापि इतने ही पौधों का रोपण होता है। इसी आधार पर प्रति व्यक्ति 400 से अधिक पेड़ पृथ्वी पर हैं। अगर यह सत्य है तो तापमान रोकने के लिए मददगार होंगे। आज लगभग 24.62% वन्य क्षेत्र है जबकि 33.3% पौधे चाहिए। कार्बन को नियंत्रित करने में पेड़–पौधों के अलावा घांस का भी अत्याधिक योगदान बना रहता है।

इस देश में भौगोलिक विविधता के है, किसी प्रदेश में 80% है तो किसी प्रदेश कारण वन क्षेत्रों में अन्तर दिखाई देता में केवल 1% है। वन नीति के लक्ष्य को पूर्ण करने के लिए 1/3 क्षेत्रों को वनों के अन्तर्गत लाना होगा।

एक व्यक्ति को अपने जीवन काल में 7–8 पेड़ों से 750 कि०ग्रा० आक्सीजन मिलती है। अगर प्रत्येक व्यक्ति एक वर्श में सिर्फ 5 पेड़ लगाये तथा उनमें से 75% भी बचा सके तो धरती पर आक्सीजन की कमी नहीं होगी। अगर समय से पौधों की निराई, गुड़ाई, खाद, पानी आदि का प्रयोग न किया जाये तो रोपे हुये पौधे जल्द ही सूख जायेंगे। चूंकि पौधों की संख्या लगातार घट रही है. इसलिये वै विक तापमान वृद्धि को भविष्य में कोई रोक नहीं पायेगा। यह एक ज्वलन्त समस्या है।

तात्कालिक प्रभाव से शासन /सरकारे नागरिकों के साथ पर्यावरणीय मानको को बनाये रखने के लिए उचित देखभाल के साथ पौधारोपण करें। बिना सोंचे समो जंगलों को काटने की प्रवृत्ति पर सरकार को रोक लगानी पड़ेगी क्योंकि विकास के नाम से लाखों पेड़ों की बलि दी जा रही है। विकास बिना विना के होना चाहिए। यह विना पतन का कारण है। प्रत्येक दिन अगर पौधा रोपण करें और 50–60 साल पुराना जंगल काट दिया जाये तो समझाना चाहिए कि जो पेड़ आज लगा रहे हैं उसे आग से बचाना मुश्किल होगा और यदि बच भी गया तो भी उसे 50 साल तक जंगल के रूप में प्रत्तीक्षा करना पड़ेगा।

वर्तमान में आवश्यक है कि पुराने पेड़ जो हमें आक्सीजन दे रहे हैं तथा इसके अलावा जो पौधे धरती के अन्दर में जमकर पौधे का रूप धारण कर रहे हैं, उन्हें भी राज व समाज को मिलकर महत्तव देना जरूरी है।

प्रकृति को सम्मान देकर खुश हाल रहने की धार्मिक प्रथा आज खत्म हो रही है। प्राकृतिक संसाधनों का अन्धाधुन्ध शोषण मानव हित में नहीं है।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर समीक्षाएं, संगोष्ठियां हो रही है एवं हरित तकनीक पर आधारित हरित अर्थ व्यवस्था अपनाने पर जोर दिया जा रहा है।

प्रकृति, पर्यावरण एवं वनों के साथ किया गया गम्भीरतम अपराध क्षमा के योग्य नहीं है। फिर भी पूर्ण मनुष्यता को अब तक की गई मूल्यों से सबक सीखकर आने वाले भविष्य को सुधारने के बारे में सोचना होगा तभी नई सोंच, नए संकल्प के साथ हरी भरी धरती बनानी होगी क्योंकि वन ही जीवन है जो पारिस्थितिक तन्त्र की निरन्तरता बनाए रखता।

प्रकाश के मनमोहक शहर की यात्रा

आदित्य

मेरी पत्नी और मेरी पत्नी की पेरिस और खास तौर पर पेरिस के आइकॉनिक सिंबल–एफिल टॉवर को देखने की दृढ़ इच्छा रही है। इसे मेरे बेटे और बहू ने साकार किया है, जो फिलहाल एम्स्टर्डम में काम कर रहे हैं। एम्स्टर्डम पहुंचते ही उन्होंने शानदार यूरोस्टार ट्रेन से पेरिस की दो दिवसीय आरामदायक यात्रा और 17 और 18 अगस्त को ठहरने की व्यवस्था की। पेरिस की स्थापना तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में सेल्टिक जनजाति द्वारा सीन नदी के द्वीप पर एक बस्ती के रूप में की गई थी, जो मध्ययुगीन शक्ति के केंद्र से फ्रांस की शानदार राजधानी में तब्दील हो गई और कला, फैशन और बुद्धि के वैश्विक प्रतीक के रूप में विकसित हुई। बाद में पेरिस 52 ईसा पूर्व में रोमन साम्राज्य का हिस्सा बन गया और रोमनों ने बस्ती को एक शहरीकृत क्षेत्र में बदल दिया। रोमन साम्राज्य के पतन के साथ, पेरिस धीरे–धीरे 508 ईस्वी में उसके नियंत्रण से बाहर हो गया और श्फ्रैंकिश किंगडमश की राजधानी और अंततः एक आधुनिक यूरोपीय शहर बन गया। पेरिस ने दोनों विश्व युद्धों के दौरान एक महत्वपूर्ण और प्रतीकात्मक भूमिका निभाई। यह फ्रांस और मित्र राष्ट्रों के लिए एक महत्वपूर्ण सैन्य और राजनीतिक केंद्र था, सैन्य रसद, योजना और प्रचार का केंद्र था, युद्ध सम्मेलनों की मेजबानी करता था और प्रथम विश्व युद्ध के दौरान फ्रांसीसी प्रतिरोध और लचीलेपन का प्रतीक था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान जर्मन सेना ने पेरिस पर कब्जा कर लिया, जिसने शहर के इतिहास में एक काला दौर दर्ज किया। अगस्त 1944 में, जनरल चार्ल्स डी गॉल के नेतृत्व में मित्र देशों की सेना और फ्री फ्रेंच फोर्स ने पेरिस को आजाद कराया। चार्ल्स डी गॉल ने आधुनिक फ्रांस के इतिहास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, और उनका प्र भाव सैन्य नेतृत्व से आगे बढ़कर देश के राजनीतिक परिवर्तन तक फैला, जिसने आधुनिक फ्रांसीसी राज्य को आकार दिया। पेरिस अपने श्एफिल टॉवरश् के लिए सबसे ज़्यादा जाना जाता है, जो अपने ऐतिहासिक, वास्तुशिल्प और सांस्कृतिक महत्व के संयोजन के साथ एक अद्वितीय और विश्व स्तर पर मनाया जाने वाला स्थल है। यह वास्तुकला के चमत्कार, अभिनव डिजाइन, सांस्कृतिक और कलात्मक प्रेरणा, वैश्विक मान्यता, ऐतिहासिक महत्व, प्रतिरोध और अनुकूलन, प्रकाश शो और कार्यक्रम, वैज्ञानिक और तकनीकी भूमिका, पर्यटन स्थल के रूप में स्थायी लोकप्रियता आदि के लिए विलक्षण रूप से प्रसिद्ध और अद्वितीय है। फिर पेरिस की जीवनरेखा 'सीन नदी', इसके पैदल यात्री पुल पर 'लव लॉक परंपरा', 'पोंट डी एलश्अल्मा सुरंग' वह दुखद स्थल है जहाँ राजकुमारी डायना की मृत्यु हुई, रूसी रूढ़िवादी चर्च आदि। पेरिस बेहतरीन होटलों, सड़क किनारे के रेस्तरां, विशिष्ट शॉपिंग सेंटर, पुराने दिखने वाले अपार्टमेंट, आवासीय भवन, दुकानें और सड़क पर खुलने वाले होटल, एक ही परिसर में आवासीय और वाणिज्यिक स्थान, विशेष पड़ोस, अद्भुत सड़क यातायात अनुशासन, साइकिल चलाने और पैदल चलने का शौक, दोपहिया वाहनों का कम उपयोग, एक विशिष्ट पेरिस शैली का वेश्यावृत्ति क्षेत्र, संकरी गलियाँ आदि के लिए जाना जाता है, जो असामान्य संस्कृति को दर्शाते हैं। फ्रांसीसी सेना की जीत का सम्मान करने के लिए 'आर्क डी ट्रायम्फ', 'चौंप्स–एलिसीस' एवेन्यू, 'लौवर संग्रहालय', 'म्यूसी डू क्वाई ब्रैनली–जैक्स शिराक' (संग्रहालय),

'कौर नेपोलियन और लौवर पिरामिड', 'म्यूसी डीश्ऑर्से' (संग्रहालय) जो कभी रेलवे स्टेशन था जिसे गारे डीश्ऑर्से के नाम से जाना जाता थाआदि। ऐतिहासिक महत्व के अन्य स्थान हैंरू गोल्डन ट्राएंगल, नोट्रे–डेम कैथेड्रल, एलिजाबेथ द्वितीय फूल बाजार, पेरिस के सबसे पुराने पड़ोस में से एक लैटिन क्वार्टर, लक्समबर्ग विश्वविद्यालय, पैंथियन चर्च, लामारे वे आवासीय सड़क, सिटी हॉल पेरिस का नगरपालिका मुख्यालय, कब्रिस्तान, सैन्य संग्रहालय, नेशनल असेंबली बिल्डिंग, सीनेट बिल्डिंग, सैन शमा चर्च, मोंटमार्ट्रे हिल, सैक्रे–कूर बेसिलिका, लक्समबर्ग गार्डन, एशियाई कला संग्रहालय, मानव विज्ञान संग्रहालय, गुब्बारे और ओलंपिक लौ के साथ श्आर्क डी ट्रायम्फ प्रतिकृतिश आदि। पेरिस आम तौर पर स्वागत करने वाला और विविधतापूर्ण है, जिसमें पड़ोस और समुदायों की एक समृद्ध टेपेस्ट्री है जो महानगरीय प्रकृति को दर्शाती है। वे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और सुव्यवस्थित शहर के रूप में पेरिस के चरित्र में योगदान करते हैंय और ऐतिहासिक आकर्षण, आधुनिक सुविधा और एक ऐसी जीवन शैली के पेरिस के अनूठे मिश्रण को दर्शाते हैं जो इसके निवासियों और आगंतुकों दोनों को महत्व देता है। शहरी स्थान को कुशलतापूर्वक प्रबंधित करते हुए और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखते हुए अपने ऐतिहासिक आकर्षण को संरक्षित करने के लिए पेरिस की प्रतिबद्धता परिलक्षित होती है। दिलचस्प जगहें अद्वितीय शहरी विशेषताओं और ऐतिहासिक महत्व के बारे में जानकारी देती हैं। प्रत्येक मील का पत्थर पेरिस के समृद्ध ऐतिहासिक महत्व में योगदान देता है, जो फ्रांसीसी सैन्य इतिहास, विधायी प्रक्रिया और वास्तुकला की सुंदरता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। हमारे परिवार के पाँच सदस्यों ने 'होटल रेनेसां' में चेक इन किया और पहले दिन रुक–रुक कर हो रही भारी बारिश के बीच रात 8 बजे के आसपास 'एफिल टॉवर' पहुँचे। एक भारतीय मूल की छात्रा ने हमारी यात्रा का मार्गदर्शन किया।

लगभग डेढ़ किलोमीटर पैदल चलने और दो बार सुरक्षा जाँच से गुजरने के बाद, हम ग्राउंड फ्लोर की लिफ्ट में पहुँचे। व्हील चेयर पर बैठी मेरी पत्नी को अलग रास्ता दिया गया और मेरी बहू उसे धक्का देकर ले जा रही थी। ग्राउंड फ्लोर से लगभग 50 लोगों को बैचों में सीधे दूसरी मंजिल पर जाने की अनुमति दी गई।

फर्जी प्रमाण–पत्रों की शिकायतें और बढ़ गईं

विनोद

निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर की बर्खास्तगी ने सिविल सेवा चयन प्रक्रिया में एक बड़े मुद्दे को उजागर कर दिया है। सुश्री खेडकर को आईएएस (प्रोबेशन) नियम 1954 के नियम 12 के तहत बर्खास्त किया गया था, लेकिन उनके मामले ने एक नया मोड़ ले लिया है। उन्हें हटाए जाने के बाद से यूपीएससी को अन्य उम्मीदवारों पर अपने प्रमाण–पत्रों को गलत तरीके से प्रस्तुत करने का आरोप लगाने वाले लोगों की 30 से अधिक शिकायतें मिली हैं। सूत्रों ने डीकेबी को बताया है कि इन शिकायतों को आगे की जांच के लिए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) को भेज दिया गया है। यदि आरोप सही साबित होते हैं, तो सख्त कार्रवाई की उम्मीद है। चिंता का एक प्रमुख क्षेत्र विकलांगता कोटे का दुरुपयोग है, जैसा कि सुश्री खेडकर के मामले में देखा गया है, जिसने सरकार को इस तरह के दुरुपयोग को रोकने के लिए चर्चा शुरू करने के लिए प्रेरित किया है। इन मुद्दों को संबोधित करने के लिए कथित तौर पर कई बैठकें आयोजित की जा रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी (एलबीएसएनएए) में सुश्री खेडकर के कई बैचमेट्स को विकलांगता कोटे के उनके कथित हेरफेर के बारे में पता था, लेकिन उन्होंने इसकी रिपोर्ट नहीं करने का फैसला किया। भविष्य में ऐसी चूक से बचने के लिए, DoPT और LBSNAA दोनों ही इस तरह की चिंताओं को बेहतर ढंग से पहचानने और उनसे निपटने के लिए नए प्रोटोकॉल पर काम कर रहे हैं। अपनी ओर से, UPSC ने भी धोखाधड़ी से निपटने के लिए अपने सिस्टम को अपग्रेड किया है। आयोग ने उम्मीदवारों के नाम को उनकी जन्मतिथि से जोड़कर नाम परिवर्तन का पता लगाने के लिए अपने सॉफ्टवेयर को बेहतर बनाया है, जिससे प्रयासों के बीच धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी। ये कदम चयन प्रक्रिया के लिए बहुत जरूरी सुधार हैं। इस कॉलम में पहले ओडिशा कैडर के उत्थान के बारे में बात की गई थी। यहाँ एक और उदाहरण है। ओडिशा कैडर (1987 बैच) के एक वरिष्ठ पी अधिकारी तुहिन कांता पांडे भारत के नए वित्त सचिव हैं, जो डॉ. टी.वी. सोमनाथन के कैबिनेट सचिव बनने के बाद एक महत्वपूर्ण भूमिका में आ रहे हैं। श्री पांडे के पास विशेषज्ञता का खजाना है, उन्होंने पहले निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) का नेतृत्व किया है। उनके नेतृत्व में, दीपम ने एयर इंडिया की ऐतिहासिक बिक्री सहित हाई–प्रोफाइल विनिवेश को सफलतापूर्वक प्रबंधित किया, जो जटिल सरकारी उपक्रमों को प्रबंधित करने की उनकी क्षमता को दर्शाता है। वे दीपम के प्रभारी सबसे लंबे समय तक सेवारत सचिव हैं, जो उनके राजनीतिक आकाओं के बीच उनके भरोसे को दर्शाता है। श्री पांडे का पोर्टफोलियो, जिसमें सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के सचिव का पद भी शामिल है, उन्हें सार्वजनिक क्षेत्र की फर्मों के प्रबंधन और निजीकरण नीतियों को लागू करने पर एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है। पर्यवेक्षकों को उम्मीद है कि यह ज्ञान श्री पांडे के वित्त सचिव के रूप में कार्यकाल को आकार देगा, विशेष रूप से सरकार द्वारा विनिवेश, राजकोषीय विवेक और संरचनात्मक सुधारों पर निरंतर जोर दिए जाने को देखते हुए। आगे देखते हुए, हम उम्मीद कर सकते हैं कि श्री पांडे श्री मोदी के निजीकरण एजेंडे को आगे बढ़ाते रहेंगे, संभवतः इसे नए क्षेत्रों में विस्तारित करेंगे। अपने ट्रैक रिकॉर्ड के साथ, श्री पांडे अधिक कुशल परिसंपत्ति प्रबंधन के लिए भी जोर दे सकते हैं और विदेशी और घरेलू निवेश को आकर्षित करने के लिए सार्वजनिक–निजी भागीदारी को सरल बना सकते हैं। भारत के सबसे महत्वपूर्ण निजीकरण चरणों में से एक के माध्यम से दीपम का नेतृत्व करने का उनका अनुभव एक सक्रिय, सुधारवादी दृष्टिकोण का संकेत देता है जो सरकार के वित्तीय चुनौतियों का सामना करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। श्री पांडे के कार्यकाल में राजकोषीय समेकन को विकासोन्मुख उपायों के साथ संतुलित करने पर अधिक जोर देखने को मिल सकता है, खासकर जब भारत वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं से निपट रहा है। नौकरशाही से संबंध रखने वाली मीडिया की दिग्गज पूर्वा मिश्रा का एनडीटीवी में चीफ पीपल ऑफिसर के रूप में जाना निश्चित रूप से देखने लायक है। इंडिया टुडे समूह में सीएचआरओ और इंडिया टुडे मीडिया इंस्टीट्यूट की सीओओ के रूप में प्रभावशाली 11 साल के कार्यकाल के बाद, वह अपनी नई भूमिका में अनुभव का खजाना लेकर आ रही हैं। लोगों को प्रबंधित करने और जटिल मीडिया परिदृश्य को समझने की उनकी विशेषज्ञता उन्हें एनडीटीवी के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है, जिसमें हाल ही में काफी बदलाव हुए हैं। पूर्वा की प्रोफाइल में जो एक अनूठा आयाम जोड़ता है, वह है उनके मजबूत पारिवारिक संबंध। पीएम नरेंद्र मोदी के पूर्व प्रधान सचिव और राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा की बेटी इसके अलावा उनके पति श्यामल मिश्रा, जो 1996 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और वर्तमान में गृह मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं, आपके पास एक ऐसा परिवार है जो सरकार के कई स्तरों से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। जबकि पूर्वा ने कॉर्पोरेट जगत में स्पष्ट रूप से अपनी जगह बनाई है, उनके परिवार का राजनीतिक प्रभाव उनके पेशेवर सफर में एक दिलचस्प परत जोड़ता है। छक्ज्ट में उनका बदलाव महत्वपूर्ण होने वाला है, और यह देखना रोमांचक होगा कि उनका नेतृत्व आगे चलकर नेटवर्क को कैसे प्रभावित करता है।

मणिपुर में उम्मीद की कोई किरण नहीं

पी. चिदंबरम

अपने पिछले कॉलम्स को जब मैं पलट कर देखता हूं तो मुझे लगता है कि मैंने मणिपुर के बारे में उतना नहीं लिखा, जितना लिखना चाहिए था। मैंने मणिपुर पर आखिरी बार 30 जुलाई, 2023 को लिखा था। अब इसे 13 महीने से अधिक समय हो चुका है। यह सभी भारतीयों के साथ मेरे लिए भी शर्मनाक है कि हम सबने इसे अपनी सामूहिक चेतना के अंधेरे कुएं में फेंक दिया है। पिछले साल जब मैंने लिखा था, तब स्थिति बहुत खराब थी। मैंने तब कहा था, यह जातीयता के खत्म होने की शुरुआत है। मैंने कहा था, मुझे जो भी रिपोर्ट्स मिली हैं या मैंने पढ़ी हैं, उनसे यही पता चलता है कि इंफाल घाटी में व्यवहारिक रूप से कोई कुकी–जोमी नहीं है और कुकी–जोमी बहुल क्षेत्रों में कोई मैतेई नहीं है। मुख्यमंत्री और उनके मंत्री अपने गृह कार्यालयों के बाहर तो काम करते हैं, लेकिन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा नहीं करते। मैंने यह भी कहा था कि ष्कोई भी जातीय समूह न तो मणिपुर पुलिस पर भरोसा करता है और न ही कोई हताहतों की आधिकारिक संख्या पर विश्वास करता है।

सवालों के घेरे में

मैंने जो भी लिखा, वह सब दुर्भाग्य से सच साबित हुआ। संसदीय लोकतंत्र में मणिपुर की दुखद स्थिति के लिए एक या उससे अधिक सत्ताधारियों को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। मैं यहां सत्ता में बैठे तीन नामों की चर्चा करूंगा–

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ऐसा लगता है, उन्होंने तय कर रखा है कि चाहे कुछ भी हो जाए, वह मणिपुर की यात्रा नहीं करेंगे। उनके व्यवहार से प्रतीत होता है कि श्जलने दो मणिपुर को, मैं उस धरती पर कदम नहीं रखूंगा। 9 जून, 2024 को अपने तीसरे कार्यकाल की शुरुआत के बाद से पीएम को इटली (13–14 जून), रूस (8–9 जुलाई), ऑस्ट्रिया (10 जुलाई), पोलैंड (21–22 अगस्त), यूक्रेन (23–24 अगस्त), ब्रूनेई (3–4 सितंबर) और सिंगापुर (4–5 सितंबर) की यात्रा का समय मिल गया। 2024 के बचे हुए महीने में उन्हें अमेरिका, लाओस, सामोस, रूस, अजरबैजान और ब्राजील की यात्रा पर जाना है। समय की कमी से मणिपुर की यात्रा उन्होंने नहीं की, ऐसा नहीं है। उन्होंने इस बेचारे राज्य में न जाने का मन बना रखा है। मणिपुर की यात्रा न करना उनकी जिद को दिखाता है। गुजरात दंगों, सीएए विरोधी प्रदर्शनों और तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हमें इसकी झलक मिली और तब भी, जब उन्होंने अपने मंत्रियों को संसद के दोनों सदनों में सभी स्थगन प्रस्तावों का विरोध करने का निर्देश दिया, चाहे वह कितना भी जरूरी मामला क्यों न हो।

गृह मंत्री अमित शाह

मणिपुर सरकार में उच्च अधिकारियों की नियुक्ति से लेकर राज्य में सुरक्षा बलों की तैनाती तक हर मामले में गृह मंत्री अमित शाह शामिल रहे हैं। वह मणिपुर की श्सरकारश् हैं। उनके सामने मणिपुर में तेजी से हिंसा बढ़ी है। मणिपुर के लोग सिर्फ बंदूकों और बमों से नहीं लड़ रहे, बल्कि स्वतंत्र भारत में पहली बार एक–दूसरे के खिलाफ लड़ाई में रॉकेट और हथियारबंद ड्रोन प्रयोग हुआ। बीते सप्ताह ही दो जिलों में कर्फ्यू लगाया गया। स्कूल–कॉलेज बंद कर दिए गए। पांच जिलों में इंटरनेट बंद कर दिया गया। इंफाल की सड़कों पर पुलिस छात्रों से लड़ रही है। सुरक्षा बलों को मजबूती देने के लिए राज्य में सीआरपीएफ की दो अतिरिक्त बटालियन भेजी गई हैं, जबकि राज्य में पहले से ही 26 हजार सुरक्षा बल तैनात हैं।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह

वह अपने द्वारा बनाए गए हालात में ही घिरे हैं। वह और उनके मंत्री इंफाल घाटी में नहीं घूम पा रहे हैं।

क्रेन का होल्डोमॉर, दुनिया का सबसे जघन्य जनसंहार

अंशुमान

अमेरिका के प्रसिद्ध डॉक्यूमेंटरी निर्माता मैक्स वेक्स्टर बुढ़ापे से खौफजदा थे। वर्ष 2011 में उन्होंने एक खास फिल्म बनाई, जिसका नाम था–हाउ टु लिव फॉर एवर। वेक्स्टर ने उम्रदराज लोगों से बात की, ताकि लंबी उम्र का रहस्य पता चल सके। इसी फिल्म में एक सौ साला बुजुर्ग से सवाल किया गया कि आपकी जिंदगी में सबसे खुशी का दिन कौन–सा था। बुजुर्ग का जवाब था– 11 नवंबर, 1918 यानी पहले विश्वयुद्ध की समाप्ति का दिन, जब उत्तर पूर्व फ्रांस के कस्बे कॉपिग्ने में संधि पर दस्तखत हुए थे। इतनी खुशी क्यों? बुजुर्ग ने कहा, क्योंकि युद्ध हमेशा के लिए खत्म होने वाले थे। पहले विश्वयुद्ध में दो करोड़ लोग मारे गए थे और इतने ही घायल हुए। और फिर, करीब बीस साल बाद दूसरा विश्वयुद्ध हुआ और फिर युद्ध रह–रहकर होते रहे। जैसे कि अगस्त के आखिरी सप्ताह में रूस ने यूक्रेन पर अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया। सैकड़ों मिसाइलें यूक्रेन के पूर्वी हिस्से में बरस पड़ीं। विश्व के कुछ ही भूगोल इतने अधिक अभागे होंगे, जितना कि रूस–यूक्रेन है। यहां 21वीं सदी भी युद्ध से खाली नहीं गई। जार से लेकर कम्युनिस्टों के शासन तक और अब पुतिन तक, रूस–यूक्रेन का एक अतीत है, जिसे सत्ता संचालित मेगामर्डर, डेमोसाइड, जेनोसाइड और क्रूरतम सामूहिक हत्याओं ने लिखा है। यूक्रेन–रूस का भूगोल इतना दुर्भाग्यशाली है कि यहां कुछ जघन्यतम हत्याएं आर्थिक नीतियों की वजह से भी हुईं। चौंकिए नहीं, आर्थिक नीतियों ने हजारों लोगों को मार डाला। पकड़िए टाइम मशीन में अपनी सीट। यह यात्रा हमें कुछ ऐसा दिखाएगी, जो कभी नहीं होना चाहिए था। सो चलिए इस सफर पर... यह पहले विश्वयुद्ध के बाद का दौर है। ऑस्ट्रिया और रूस के साम्राज्यों के बीच बंटा इतिहास सिमट रहा है। यह 1917 है। रूस में जार शासन को उखाड़कर व्लादिमीर लेनिन के बोल्शेविकों ने सत्ता संभाल ली है। इधर यूक्रेन में स्वतंत्र सरकार बन गई। पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ यूक्रेन नाम का नया देश नक्शे पर उभर आया है। अब हम मास्को में हैं। बोल्शेविक यूक्रेन को खत्म करने जा रहे हैं। लाल सेना यूक्रेन पर चढ़ आई है। यूक्रेन की अस्थायी सरकार ने रूस से जमकर लोहा (1918 से 1921) लिया, लेकिन अंततः हार गया। अब यह मुल्क नए सोवियत संघ यानी सोशलिस्ट रिपब्लिक का हिस्सा है। जार शासन के तख्तापलट के बाद रूस में सिविल वार शुरू हो गई है। लेनिन आर्थिक ताकत का केंद्रीकरण कर रहे हैं। वह रेड आर्मी की ताकत बढ़ाने के लिए उद्योगों का राष्ट्रीयकरण करने लगे हैं। यहां तक कि अनाज का उत्पादन भी सरकार के कब्जे में आ गया है। इससे लेनिन की सेना तो मजबूत हुई, मगर दमनकारी नीति ने अर्थव्यवस्था को तोड़ दिया है। उत्पादन बढ़ाने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं है। किसानों ने पैदावार सीमित कर दी है। शहरों में सामान की किल्लत साफ दिख रही है। फैक्टरी में कामगार नहीं है। हड़तालें हो रही हैं। यह 1921 का साल है। जो लोग लेनिन की क्रांति की सबसे बड़ी ताकत थे, वे अब विरोधी हो गए हैं। विरोध और दबाव के कारण व्लादिमीर लेनिन को नई आर्थिक नीति लानी पड़ी है। मार्च, 1921 में लेनिन ने नई नीति का एलान कर दिया है। अनाज पर बलपूर्वक कब्जे की नीति खत्म। इसके बदले एक टैक्स लगा दिया गया है। कुछ उद्योगों को निजी क्षेत्र को दे दिया गया। उत्पादन बढ़ा है, शहरों में लोग आने लगे हैं, लेनिन का नया पूंजीवाद उभर रहा है। यह 1924 है। व्लादिमीर लेनिन नहीं रहे। जोसेफ स्टालिन ने सत्ता संभाल ली है और लेनिन की 1921 वाली नीति खत्म कर दी गई है, जिसमें निजी उद्यमिता को वरीयता दी गई थी। स्टालिन पंचवर्षीय योजना लेकर आए हैं। यूक्रेन के लिए स्टालिन की पहली पंचवर्षीय योजना मौत का फरमान साबित हुई है। यह 1932 है। स्टालिन ने यूक्रेन की पूरी अर्थव्यवस्था बदल दी है। खेती का सामूहिकीकरण और सरकारीकरण हो गया है। निजी खेतों पर कब्जा कर सामूहिक कोलहोप्स फार्म में बनाए जा रहे हैं, जिनमें किसान मजदूर की तरह काम कर रहे हैं। कभी ये किसान इन खेतों के मालिक थे। स्टालिन अनाज उत्पादन में सोवियत संघ को बड़ी ताकत बनाना चाहते हैं। मगर यूक्रेन के अधिकांश किसान छोटी जोत वाले हैं, जो जीविका के लिए खेती करते हैं। स्टालिन की इस नीति के खिलाफ आंदोलन शुरू हो गए हैं। यूक्रेन में ऐसे करीब 4,000 आंदोलन हुए हैं, जिन्हें स्टालिन की सोवियत पुलिस ने सख्ती से कुचल दिया है। किसानों को लेबर कैंप में भेज दिया गया है। स्टालिन की कृषि नीति के विरोध को राष्ट्रविरोधी घोषित कर दिया गया है। स्टालिन ने (1932) फाइवे स्टेक्स ऑफ ग्रेन की कुख्यात नीति लागू कर दी है। प्रत्येक गांव के लिए अनाज का कोटा तय कर दिया है। अनाज की जबरन खरीद हो रही है। अनाज पहले सरकार को देना होता है, इसके बाद जो बचा, वह खाने को मिलता है। घर–घर में अनाज का संकट हो गया है। अगर कोई बच्चा भी अनाज ले जाता मिल जाए, तो उसे जेल में बंद करने या गोली मारने के आदेश हैं। कोटे से अधिक अनाज घर में मिलना यानी सोशलिस्ट प्रॉपर्टी की लूट। 1933 की शुरुआत तक 55 हजार लोग जेल में बंद किए गए। 2,000 को मौत की सजा दी गई। अब यूक्रेन में भुखमरी शुरू हो गई है। गांव खाली कर लोग भोजन की तलाश में दूसरी जगहों पर जाने लगे हैं। यूक्रेन के भयावह युग को देखते हुए आपने वायश्लेव मोल्टोव का नाम सुना होगा, जो स्टालिन के सबसे करीबी हैं। मोल्टोव ने यूक्रेन की सीमाएं बंद कर दी हैं। गांव छोड़कर जाने पर रोक लगा दी गई, ताकि मजदूर भाग न जाएं। जो गांव अनाज का कोटा पूरा नहीं करता, उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया गया है। अनाज के लिए हिंसा शुरू हो गई। अब आप यूक्रेन का होल्डोमॉर देख रहे हैं। यानी ऐसी भुखमरी, जो शासकों ने पैदा की है। लोग घास, सड़ा अनाज, यहां तक कि कुत्ते–बिल्ली भी मारकर खा रहे हैं। सोवियत पुलिस घर–दीवारें खोदकर अनाज तलाश रही हैं। यह होल्डोमॉर दुनिया के इतिहास का सबसे जघन्य जनसंहार है। यूक्रेन के डेमोग्राफी इंस्टीट्यूट की रिपोर्ट (2015) बता रही है कि 1932–33 के बीच होल्डोमॉर से यूक्रेन में 39 लाख लोग मारे गए।

स्कूल को ग्रीन बोर्ड दान किए गये - प्रेसिडेंट संगीता मित्तल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ, जिला 312, 14 सितंबर 2024 को सुबह 9रू00 बजे कस्तूरबा बालिका विद्यालय, हेवेट रोड, लखनऊ में छात्राओं के लिए महत्वपूर्ण सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में छात्राओं के माता–पिता के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र हुआ जिसमें उन्हें बालिकाओं में सर्वाइकल कैंसर के खघ्तरों से जागरूक कराया गया और आवश्यक जानकारी दी गई और अपनी बेटियों

को टीका लगवाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अलावा, बच्चों के यौन उत्पीड़न से सुरक्षा पर एक टॉक शो आयोजित किया गया, लड़कियों को मासिक धर्म स्वच्छता पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया, और छात्राओं तथा स्टाफ के बीच सैनिटरी नैपकिन वितरित किए गये। इस पहल के अंतर्गत स्कूल को ग्रीन बोर्ड भी दान किए गये ताकि शिक्षा संसाधनों को बढ़ाया जा सके। यह कार्यक्रम समुदाय में युवा लड़कियों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर प्रेसिडेंट संगीता मित्तल, सेक्रेटरी शिखा राज, जोनल हेड मधु भार्गव, पास्ट प्रेसिडेंट मोनिका बंसल, डॉ ऋतु जैन व अन्य सदस्य उपस्थित थे।

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट की कार्य शाला को लेकर बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सामाजिक सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यों में अग्रणी संस्था अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट परिवार के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के कड़ी में आयोजित निशुल्क सौंदर्य प्रशिक्षण कार्यशाला मडियाहू में आयोजित करने के लिए ट्रस्ट परिवार के द्वारा एक बैठक का आयोजन रूप–रंग ब्यूटी पार्लर केंद्र में आयोजित किया गया, जिसमें आगामी 21 सितंबर से होने वाले कार्यशाला के विषय में चर्चा की गई! बैठक में अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने कहा कि ट्रस्ट परिवार द्वारा इस तरह के कई बार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा चुका है,जिसकी कड़ी में अगला कार्यशाला मडियाहू में होने जा रहा है! बैठक में मुख्य रूप से शामिल सचिव मीरा अग्रहरी, अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट गुलाबी समिति अध्यक्ष बिट्टू किन्नर, रूपेश जायसवाल, सुशीला जायसवाल संचालिका अंतिमा जायसवाल, रंजना, पूजा, डिम्पल, प्रिया, आंशिका, अंजुम, नीलू, कंचन, निशा बानो, विभा, पिंटू गिरी अन्य लोग उपस्थित रहे।

पत्रकारिता में उत्कृष्टता के लिए जितेन्द्र बच्चन सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर/नोएडा। वरिष्ठ पत्रकार डॉ जितेन्द्र बच्चन को पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए नोएडा में सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान सेक्टर 34 के कम्युनिटी सेंटर में आयोजित ओडिशा के महापर्व 'नुआखाई' के भव्य महोत्सव में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व डीजीपी आईपीएस डॉ. संजीब कुमार पटजोशी द्वारा प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉ जितेन्द्र बच्चन विगत 36 वर्षों से पत्रकारिता से जुड़े हैं। कई समाचार पत्र–पत्रिकाओं में वरिष्ठ पदों पर रहे हैं। राजनीति, अपराध और समसामयिक विषयों पर निरन्तर लेखन कर रहे हैं। डॉ. बच्चन ने ओडिशा के तिहार परिवार एवं डीजीपी डॉ. पटजोशी के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि श्रेष्ठ को चुनना और फिर उन्हें मंच पर लाकर सम्मान देना बहुत बड़ी उपलब्धि है। यह सम्मान पत्रकारिता के सिद्धांत का पालन करते हुए बिना किसी भय या पक्षपात के अपने कर्तव्यों को और प्रभावी ढंग से निर्वाह करने के लिए हमें प्रोत्साहित करेगा। हमारी सदैव कोशिश होगी कि हम अन्याय, अपराध और भ्रष्टाचार के विरोध में बेहतरीन कर सकें। कार्यक्रम के अतिविशिष्ट अतिथि पीआईआईटी के चेयरमैन प्रोफेसर (डॉ.) भरत सिंह, नासा से सम्मानित टेक्नोलॉजी इनोवेटर समीर पांडा, एम्स के प्रोफेसर डॉ. संजीब कुमार भोई और विशिष्ट अतिथि भारत गौरव डॉ. जितेन्द्र बच्चन, अतिथि अमिया रथ, मनोज कटवारिया, डीके सेनापति, पंकज वर्मा, बिनय प्रधान, अधिवक्ता प्रभाकर मेहर और मुकेश भारद्वाज रहे। इस अवसर पर तिहार परिवार नोएडा के अध्यक्ष खीर मोहन अदाबर, आल इण्डिया कायस्थ काउंसिल के गाजियाबाद अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव, श्रीमती रेनू, तिहार परिवार सदस्य बिजया, बिक्रम, प्राची, नमिता, अनीता अमित, आशीष, राजेश, लक्ष्मी नारायण, हिमांशु, शिव शंकर, बिदू, जया, किरन, बसंत, सुशील, समीक्षा, उर्मिला, रवि नारायण, सरोज आदि उपस्थित रहे।

ग्रापए की पहली बैठक दिल्ली में सम्पन्न, प्रवीण चौहान होंगे राष्ट्रीय महासचिव

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

नई दिल्ली। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार हेतु प्रथम बैठक कल दिनाँक १५–१६ सितम्बर २०२४ को भारत की राजधानी दिल्ली में समकालीन चौथी दुनिया के प्रधान सम्पादक श्री प्रवीण चौहान के आवास पर ग्रापए के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देवी प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विशेष रूप से राष्ट्रीय संरचना विस्तार के क्रम में सर्वप्रथम ग्रापए के गठन, प्रथम सम्मेलन व पूरे उत्तर प्रदेश की कार्य प्रणाली, निरन्तर हो रही सक्रियता पर चर्चापरान्त समय–समय आपके द्वारा ग्रापए के अनेक कार्यक्रमों में रही उपस्थिति व सक्रियता के लिए श्री प्रवीण चौहान जी का आभार व्यक्त किया। नरेश कुमार सक्सेना ने श्री प्रवीण चौहान को राष्ट्रीय महासचिव मनोनीत करने का प्रस्ताव रखा जिसे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री देवी प्रसाद गुप्ता ने इस प्रस्ताव पर सहर्ष सहमति प्रदान की, अगले विचार विमर्श के क्रम में कार्य समिति में राष्ट्रीय अध्यक्ष, तीन राष्ट्रीय महासचिव, तीन उपाध्यक्ष, सात सचिव, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, विधिक सचिव, सात सह सचिव/राष्ट्रीय कमेटी के सदस्य व समस्त प्रान्तों से प्रतिनिधित्व करते हुए प्रान्तीय अध्यक्ष/संयोजक कार्य समिति के पदेन सदस्य होंगे। विधिक प्रक्रियाओं के कार्यान्वयन हेतु विधिक पद व्यवस्था का भी प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया गया। राष्ट्रीय प्रगति प्रसार के एक प्रस्ताव पर राष्ट्रीय मासिक बुलेटिन प्रकाशन पर चर्चा की गई। समयानुसार कार्य समिति के गठन से सन्दर्भित चर्चा में 31 दिसम्बर 2024 तक एक बैठक दिल्ली में आयोजित की जाय व उसीदिन दिल्ली प्रदेश के गठन को मूर्तरूप दिया जाय। अगले तीन माह में 31 मार्च 2025 तक समस्त प्रदेशों के गठन की प्रक्रिया जो भी सम्भव की भागीदारी के साथ ही एक राष्ट्रीय स्वरूप का कार्यक्रम आयोजित किया जाय। उक्त समस्त विन्दुओं पर अमल कर कार्यान्वयन करने का कृत संकल्प लिया।

क्षेत्र के एतिहासिक आदर्श रामलीला धर्म मंडल समिति की बैठक हुई संपन्न

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम सभा मोहरियाँव में सन 1991 से निरंतर चल रहे आदर्श रामलीला धाम मंडल समिति की बैठक चौरा माता मंदिर पर संपन्न हुई, जिसके संस्थापक स्वर्गीय रामजीत तिवारी को याद किया गया जिसमें 18 अक्टूबर से शुरू होने वाली रामलीला पर मंथन किया गया और रामलीला के मंचन के लिए सभी कलाकारों को अपने अपने रोल के लिए उत्तर दायित्व सौपा गया. कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति के डायरेक्टर सोनू तिवारी व संतोष मिश्र ने कलाकारों को प्रोत्साहन दिया और अपने अपने जिम्मेदारी के प्रति पात्रों को जागरूक किया और कई गतिविधियों पर विचार–विमर्श किया गया इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सूर्य मणि दुबे, उपाध्यक्ष रविन्द्र नाथ दुबे, मैनेजर कमलेश दुबे, कोषाध्यक्ष विशंभर नाथ दुबे, उप कोषाध्यक्ष जय प्रकाश तिवारी, सूचना मंत्री पवन गुप्ता, मेकअप मैन मोनू विश्वकर्मा,राम जी पांडे, पप्पू पांडे, संतोष पांडे, अभिषेक चौबे, सिंटू मिश्रा सहित अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

दिनदहाड़े हौसला बुलंद बाइक सवार बदमाशों ने दो को मारी गोली हालत गंभीर

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर कोतवाली थाना अंतर्गत सोमवार सुबह उसे समय भागम मच गया जब हौसला बुलंद बाइक सवार दो अज्ञात बदमाशों ने गोली मारकर दो लोगों को जख्मी कर दिया। शहर कोतवाली अंतर्गत मोहल्ला नईगंज स्थित पवन ट्रैक्टर पार्ट्स की दुकान के पास अपने घर पर बैठे शनि यादव (28) अपने दादी कमला देवी के साथ बैठे थे । आगे शनि यादव की दुकान है व पीछे मकान है। रोज की तरह आज भी बैठे थे। तभी अचानक एक बाइक पर सवार दो अज्ञात बदमाश आए और लक्ष्य साधकर फायर कर दिया। एक गोली युवक को जा लगी जबकि दूसरी गोली उसके दादी कमला देवी (70) के पैर में जा लगी। गोली लगते हो दोनो मौके पर गिर गए। आनन फानन में दोनो को जिला अस्पताल भर्ती कराया गया जहां उपचार के बाद युवक को वाराणसी ट्रामा सेंटर भेज दिया गया है। गोली मारने के बाद बाइक सवार बदमाश भाग गए। इस वारदात से मौके पर दहशत व्याप्त है। वारदात की सूचना मिलते ही सीओ देवेश सिंह, शहर कोतवाल मिथिलेश मिश्र, एसओ लाइन बाजार समेत फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई है। इस संबंध में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश मिश्रा ने बताया कि एक बाइक पर दो अज्ञात बदमाशों ने फायर कर दिया। जिससे दो लोग घायल हो गए है। जिनका इलाज चल रहा है। जांच की जा रही है। वही मामले की जानकारी देते हुए सीओ देवेश कुमार ने बताया कि बरई पार थाना सिकरारा निवासी शनि यादव पुत्र राजेन्द्र यादव अपने नई गंज स्थित दुकान पर थे तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने गोलियां चला दी जिसमे दो लोग घायल हुए है जिन्हें जिला अस्पताल भेजा गया वहां से दोनो घायलों को बीएचयू वाराणसी रेफर किया गया है। बदमाशो के बारे में कुछ जानकारी मिली है मुकदमा दर्ज किया जा रहा है जल्द की बदमाश पकड़े जाएंगे।

निज भाषा की उन्नति में ही हमारी उन्नति है – प्रो रणजीत कुमार पाण्डेय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। गांधी स्मारक पीजी कॉलेज समोधपुर जौनपुर में हिंदी दिवस 14सितम्बर पर एक दिवसीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।संगोष्ठी की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई जिसे बीए प्रथम सेमेस्टर की छात्रा कृति ने प्रस्तुत किया।संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर रणजीत कुमार पाण्डेय ने कहा कि हमें किसी भाषा से ईर्ष्या की भावना रखे बगैर अपने मूल अर्थात हिंदी से बंधे रहना है। हमें हिंदी को आगे आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक पहल करते रहना है। निज भाषा की उन्नति में ही हमारी उन्नति है। मुख्य वक्ता डॉ इंद्र बहादुर सिंह ने हिंदी भाषा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि इसका प्रयोग दिन–प्रतिदिन बढ़ रहा है।विशिष्ट वक्ता डॉ नीलू सिंह ने हिंदी बोलने वालों की संख्या तो बढ़ ही रही है।इस का भाषा सोशल मीडिया पर अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। डॉ नीलू ने स्वरचित दो हिंदी कविताएं प्रस्तुत की। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्विद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व समन्वयक प्रोफेसर राकेश कुमार यादव ने हिंदी के ऐतिहासिक विकास पर प्रकाश डाला।प्रोफेसर यादव ने भारतेंदु हरिश्चंद्र के कथन शनिज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूलश को उदधृत करते हुए स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका की चर्चा की।बीएड विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पंकज सिंह ने विद्यार्थियों से हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग के लिए आह्वान किया।इस अवसर पर अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे और काव्यपाठ किया। संगोष्ठी का संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष जितेंद्र सिंह ने किया व धन्यवाद ज्ञापन गणित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ अवधेश कुमार मिश्र ने किया।इस अवसर पर प्रोफेसर लक्ष्मण सिंह, डॉ नीलमणि सिंह, डॉ अविनाश कुमार वर्मा, डॉ विष्णुकांत त्रिपाठी, श्री विकास कुमार यादव, नीलम सिंह, जितेंद्र कुमार, अखिलेश सिंह व बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

पितृ पक्ष 2024– अपने पूर्वजों को दें श्रद्धांजलि, ज्योतिषायन के आचार्य रामू लाल पाण्डेय के मार्गदर्शन में

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पितृ पक्ष, जो इस वर्ष 17 सितंबर से आरंभ होकर 02 अक्टूबर तक चलेगा, हिंदू संस्कृति में एक विशेष महत्व रखता है। इस दौरान, श्रद्धालु अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए विशेष पूजा–अर्चना करते हैं। यह समय उन परिजनों को याद करने और उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने का अवसर है, जो इस संसार को छोड़ चुके हैं। ज्योतिषायन के प्रसिद्ध कर्मकांडी आचार्य रामू लाल पाण्डेय, जो इस क्षेत्र में जाने–माने विशेषज्ञ हैं, का कहना है कि पितृ पक्ष के दौरान किए गए श्राद्ध और तर्पण से न केवल पूर्वजों को आशीर्वाद मिलता है, बल्कि यह परिवार में सुख–शांति और समृद्धि भी लाता है। उन्होंने बताया कि इस समय विशेष रूप से गौ माता को भोजन कराने, जल देने और गरीबों को अन्न दान करने का महत्व है। आचार्य रामू लाल पाण्डेय ने आगे कहा, इस वर्ष पितृ पक्ष के दौरान प्रत्येक तिथि का अपना अलग महत्व है। अंतिम दिन, अति महत्वपूर्ण तिथि है, जिसे महालया अमावस्या कहा जाता है। इस दिन विशेष रूप से तर्पण करने से पूर्वजों की आत्मा को शांति मिलती है। वहीं, आचार्य पाण्डेय ने परिवारों को सलाह दी है कि वे इस अवधि में ध्यानपूर्वक पूजा–अर्चना करें और अपने पूर्वजों के नाम से जल और तिल का तर्पण करें। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि इस दौरान शुभ मुहूर्त का ध्यान रखना चाहिए, जो ज्योतिषीय दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस पितृ पक्ष में अपने पूर्वजों को याद करें और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करें। ज्योतिषायन के आचार्य रामू लाल पाण्डेय के मार्गदर्शन से आप अपने परिवार में सुख और समृद्धि का संचार कर सकते हैं।

पत्रकार हितों के लिए सदैव संघर्षरत है उपज - राधेश्याम लाल कर्ण

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्टस की एक बैठक शहर के राजमहल स्थित सभागार में आयोजित की गई जिसमें प्रदेश महामंत्री राधेश्याम लाल कर्ण की सहमति पर जिला पदाधिकारियों का गठन कर कार्यकारिणी घोषित की गई। इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री श्री कर्ण ने कहा कि पूरे प्रदेश में पत्रकार हितों के लिए उपज की एक ऐसा संगठन है जो लगातार संघर्षरत है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के आकस्मिक समस्या के समाधान के अलावा उनके जीवन में विभिन्न प्रकार की आर्थिक, सामाजिक संकट का सामना न करना पड़े इसके लिए भी संगठन सरकार से लगातार मांग करती चली आ रही है और सरकार द्वारा संगठन के विभिन्न मांगों पर विचार करते हुए धीरे–धीरे सुविधा भी मुहैया कराने का कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि अभी हाल ही में लखनऊ में आयोजित श्उपज संदेशश त्रैमासिक पत्रिका के विमोचन समारोह में प्रदेश के कैबिनेट मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने पत्रकार कोष का गठन करते हुए एक लाख रुपए का अनुदान भी दिया जो पत्रकारों के लिए एक स्वर्णिम अवसर साबित हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के विशेष आमंत्रित सदस्य एवं भदोही जिले के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र चतुर्वेदी ने पत्रकारों के हित में संघर्ष करने के लिए संगठन का होना आवश्यक बताया और आह्वान किया कि आप सभी लोग एकजुट होकर के संगठन में कार्य करेंगे तो निश्चित रूप से किसी भी समस्या का समाधान आसानी से हो जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार अब्दुल हक अंसारी ने कहा कि आज पत्रकारों का जो उत्पीड़न हो रहा है उसका कारण संगठनात्मक एकजुटता न होने से लोगों का मन बढ़ जाता है और पत्रकार बारी–बारी से उत्पीड़न के शिकार होते हैं। ऐसे में उपज जैसा संगठन पत्रकारों के हितों की रक्षा करेगा। कार्यक्रम में सभी पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया जिसमें जिलाध्यक्ष सै. हसनैन कमर दीपू, महामंत्री राहुल प्रजापति, उपाध्यक्ष राजन मिश्र, आमिर अब्बास, सचिव मो. उस्मान, कृष्णा सिंह, अबु खैर, कोषाध्यक्ष अंकित जायसवाल के अलावा 11 लोगों की कार्यकारिणी गठित की गई। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत माल्यार्पण व स्मृति चिन्ह देकर पत्रकारों द्वारा किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार राजेश श्रीवास्तव, देवेंद्र खरे, विश्व प्रकाश श्रीवास्तव, सै. अरशद अब्बास आब्दी, अनूप गौड़, अजादार हुसैन, सै. शाकिर जैदी सहित काफी संख्या में पत्रकार व सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे। संचालन दीपू ने किया। धन्यवाद ज्ञापन विश्व प्रकाश श्रीवास्तव ने किया।

ओजोन होल एक गंभीर समस्या – प्रो. राजेश शर्मा

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आज विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर पर्यावरण विज्ञान विभाग में आयोजित कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर राजेश शर्मा ने ओजोन के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कहा कि स्ट्रेटोस्फीयर में ओजोन की परत के कारण ही पृथ्वी पर जीवन की संभावना का विस्तृत महत्व बताया। पर्यावरण विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ सुधीर उपाध्याय ने ओजोन परत क्षरण के कारण एवं उसके प्रबंधन पर हो रहे रिसर्च के बारे में विस्तृत जानकारी दी , समय–समय पर दुनिया भर के देशों में हुए सम्मेलनों और उससे ओजोन परत क्षरण के निदान पर भी प्रकाश डाला। डाक्टर एसपी तिवारी,माइक्रोबायोलॉजी विभाग ने विश्व ओजोन दिवस पर ओजोन परत के क्षरण से होने वाले दुष्प्रभाव को किस तरीके से माइक्रोब्स कम कर सकते हैं इसके बारे में बताया । माइक्रोबायोलॉजी विभाग के डॉक्टर ऋषि श्रीवास्तव ने ओजोन परत के क्षरण के कारण अल्ट्रावायलेट किरणों के आने से स्किन कैंसर तथा डीएनए डैमेज के महत्व को भी बताया। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रो. रामनारायण एवं डॉ.मनीष गुप्ता ने भी विश्व ओजोन दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी दी। संचालन डॉक्टर श्वेता सोनम ने किया, विज्ञान संकाय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के विद्यार्थी, माइक्रोबायोलॉजी विभाग के विद्यार्थी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विद्यार्थी एवं बायोकेमेस्ट्री विभाग के विद्यार्थियों ने ओजोन दिवस पर प्रतिभाग किया।

नही मायने रखता जिला चिकित्सालय में तैनात कर्मियों को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक का आदेश

अयोध्या। डिप्टी सीएम व स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक का के आदेशों की धज्जियां जिला पुरुष चिकित्सालय के मे तैनात चिकित्सक उड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यहां पर इलाज कराने आने वाले मरीजों को यहां पर तैनात चिकित्सकों के साथ–साथ नर्सों व वार्डबॉय के दुर्व्यवहार शिकार होना पड़ रहा है।अगर कोई भी मरीज या उनका परिजन इसका विरोध करना चाहता है तो या फिर वहां पर तैनात चिकित्सक, नर्स व वार्डबॉय उनसे मारपीट पर उतारू हो जाते हैं या फिर उनके मरीजों को सीधे दर्शन नगर या लखनऊ के लिए रेफर कर देते हैं। नाम न छापने के शर्त पर यहां पर इलाज कराने आने वाले मरीजों व उनके परिजनों ने बताया कि यह चिकित्सालय मरीजों का इलाज करने के लिये एक चिकित्सालय न होकर एक टोल प्लाजा बन कर रह गया है।जहां पर दूर दराज से इलाज कराने को आने वाले कई मरीजों को आउटडोर से देखकर ही इन्हें इसलिए रेफर कर दिया जाता है किघ यहां पर इलाज कराने मरीजों व उनके परिजनों की वहां पर तैनात चिकित्सकों, नर्सों व वार्डबॉयो द्वारा किए गए दुर्व्यवहार के चलते तू तू मैं मैं हो जाती है। वहां पर इलाज कराने आने वाले मरीजों ने

चिकित्सालय में तैनात चिकित्सकों के अलावा अन्य कर्मियों द्वारा काफी देर तक गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों का इलाज काफी देर से शुरु करते हैं।अगर किसी तरह से मरीजों को भर्ती भी कर लेते हैं तो अंदर तैनात नर्सों द्वारा इन मरीजों के साथ साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। जिला चिकित्सालय में एक सप्ताह से भर्ती मरीज ने बताया कि इस वार्ड में कूलर एक सप्ताह से खराब पड़ा हुआ है।इसकी शिकायत जब उसने व वहां पर तैनात नर्सों से कहा तो उक्त नर्सों ने उसे घर से पंखा आदि लाने तक की बात कह डाली। इस संबंध में वहां पर तैनात नर्सों से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि यह कूलर दो महीने से खराब है। जिसकी लिखित सूचना प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ उत्तम कुमार को दे दी गई है। यहां पर भर्ती मरीजों ने बताया कि अगर किसी भी तरह की शिकायत वहां पर भर्ती मरीज उच्चाधिकारियों से की तो दूसरे दिन उसका इस चिकित्सालय से रेफर होना तय है।इस संबंध में प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ उत्तम कुमार ने बताया कि मरीजों द्वारा चिकित्सकों व अन्य कर्मियों पर इस तरह के लगाये गये आरोप गलत है। यहां से उसी रोगी को दर्शन नगर व लखनऊ रेफर किया जाता है जिसकी हालात काफी गंभीर रहती है।जिन वार्डों में कूलर,पंखे जो भी खराब होने की सूचना प्राप्त होती है।उसे शीघ्र से शीघ्र ठीक कराया जाता है। जिससे यहां पर भर्ती मरीजों को किसी भी तरह की परेशानी न उत्पन्न हो।

लुलु मॉल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ओणम का पर्व

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ के लुलु मॉल में केरल के सुप्रसिद्ध त्योहार ओणम को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ओणम त्यौहार राजा महाबली की समृद्धि और उदारता की याद में मनाया जाता है। ओणम त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए खास तौर पर केरल से आए कलाकारों ने लुलु मॉल में मोहिनीअट्टम, कलारीपयट्टू एवं पुली कली जैसे मनमोहक नृत्यों का आयोजन किया गया। जिसको देखने के बाद जनता मंत्रमुग्ध हो गई। ओणम के पर्व को और खास बनाने के लिए पोकलम कंपटीशन का भी आयोजन किया गया जिसमे विजताओं को पुरस्कार भी वितरित किए गए। लुलु मॉल के जनरल मैनेजर समीर वर्मा ने कहा लुलु मॉल ने इस बार ओणम के त्योहार को खास बनाने के लिए केरल से आए कलाकारो की प्रस्तुति कराई जिससे लखनवासी ओणम के त्योहार को जीवंत होते हुए देख सके।

संक्षिप्त खबरें

आरोपियों पर लगेगा गैंगस्टर, संपत्ति होगी कुर्क

उन्नाव, संवाददाता। चार माह से चर्चा में मनी ट्रेडिंग के मामले में संज्ञान लेकर डीएम ने गूगल मीट के जरिए जमाकर्ताओं से बात की और पुलिस अधिकारियों ने अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने आरोपितों पर गैंगस्टर लगाकर उनकी संपत्ति कुर्क करने का भरोसा दिया। मामले में अब तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। जबकि दो आरोपी पुलिस की गिरफ्त से दूर हैं। कस्बे के मोहल्ला तालाब निवासी अयाजुद्दीन, अनवारुद्दीन, काशान व अरबाज आदि ने हरदोई–उन्नाव मार्ग पर अपनी मार्केट में अरबाज इंटरप्राइजेज नाम से एक मनी ट्रेडिंग कंपनी खोली थी। 15 प्रतिशत ब्याज की दर से भुगतान करने का आश्वासन देकर सैकड़ों लोगों का एजेंट के माध्यम से करोड़ों रुपया जमा कराया था। बाद में जब पैसा वापसी का समय आया तो जमा कराने वालों ने कहानियां बनानी शुरू कर दीं। 26 अप्रैल को अनवारुद्दीन ने अपने ही कंधे पर गोली मरवाकर 90 लाख रुपये की नकदी और 10 लाख के जेवर की लूट होने की झूठी कहानी पुलिस को सुनाई थी। पिछले सप्ताह ही छापे में अवैध हथियार मिलने पर पुलिस ने हल्की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर तीन लोगों को जेल भेजा था। इसके बाद सात पीड़ितों ने ज्यादा ब्याज का झांसा देकर लाखों की रकम हड़पने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने अयाजुद्दीन और उसके बड़े भाई अनवारुद्दीन को भी जेल भेजा था। कुछ पीड़ितों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी शिकायत की थी। डीएम गौरांग राठी ने सिटी मजिस्ट्रेट राजीव राय और सीओ बांगरमऊ अरविंद कुमार चौरसिया की उपस्थिति में ऑनलाइन मीटिंग की। डीएम ने पीड़ितों की समस्या सुनीं और पुलिस की अब तक की कार्रवाई के बारे में सीओ से जानकारी की। आरोपियों पर गैंगस्टर और संपत्ति कुर्क करने की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म में रेस्टोरेंट कर्मचारी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म और फिर दोस्त के साथ संबंध बनाने का दबाव डालने वाले रेस्टोरेंट कर्मचारी एहतेशाम अहमद को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अब आरोपी के दोस्त की तलाश में लगी है। ठाकुरगंज निवासी युवती की जान–पहचान हजरतगंज के हैदर कैनाल पार्क रोड निवासी एहतेशाम से कुछ समय पहले हुई थी। एहतेशाम ने शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया। युवती ने शादी की बात कही तो वह टालमटोल करने लगा और दोस्त के साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डाला। इस पर युवती ने दूरी बना ली। इस बीच आरोपी की मां ने युवती पर ब्लैकमेल करने का झूठा आरोप लगाते हुए शिकायत की। इसका पता चलने पर युवती ने कोर्ट में गुहार लगाई। आदेश होने पर हजरतगंज थाने में 10 सितंबर को केस दर्ज हुआ। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह ने बताया कि शनिवार को एहतेशाम को गिरफ्तार कर लिया गया। उसके दोस्त की भूमिका मिली है। उसकी तलाश की जा रही है।

गाजे-बाजे के साथ निकाला जुलूस, गणपति प्रतिमाएं विसर्जित

बांदा, संवाददाता। गणेश महोत्सव के आठवें दिन शनिवार को गाजे–बाजे के साथ आधा दर्जन से अधिक गणेश प्रतिमाओं का प्रदर्शन किया गया। श्रद्धालु गाजे–बाजे के साथ डीजे की धुन पर भक्ति भजन पर थिरकते रहे। केन नदी घाट पर पहुंचने के बाद आरती–पूजा की और गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया। इधर, शनिवार को शहर के अतर्रा चुंगी, गणेश भवन समेत विभिन्न स्थानों पर विराजमान गणपति प्रतिमाओं का भव्य श्रृंगार किया गया। सुबह और शाम श्रद्धालु झांकी दर्शन के लिए उमड़े। महाआरती में शामिल होने के बाद श्रद्धालुओं का प्रसाद का वितरण किया गया।

झांकी दर्शन के लिए उमड़ रहे श्रद्धालु

कस्बे के बंबा तालाब परिसर में गणेश चतुर्थी को श्री गणेश उत्सव समिति नरैनी ने गणेश भगवान की मूर्ति स्थापित कर भव्य झांकी का श्रृंगार किया गया। सातवें दिन गणेश भगवान लंबोदर का भव्य श्रृंगार किया गया। महाआरती के बाद श्रद्धालु भक्त दर्शन के लिए उमड़ पड़े। सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। समिति अध्यक्ष रामकृपाल ने बताया कि गणेश चतुर्थी में गणेश भगवान की मूर्ति स्थापित कर भव्य झांकी का श्रृंगार शुरुवात की गई थी। समिति में राज कुशवाहा, प्रांशु गुप्ता, पुनीत विश्वकर्मा, किशन, सोनू विश्वकर्मा, विपिन त्रिवेदी, सुमित रैकवार शामिल हैं। वहीं न्यू इंडियन ग्रुप के अध्यक्ष आशीष विश्वकर्मा ने बताया की गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन 17 सितंबर को पनगरा नहर में की जाएगी। शामिल रहे।

स्टील लदे 37 वाहनों में पकड़ी गई 59 लाख की कर चोरी

अयोध्या, संवाददाता। स्टेट जीएसटी के सचल ने अगस्त में आयरन स्टील लदे वाहनों में कर चोरी पकड़ने के लिए अभियान चलाया तो बड़ी सफलता मिली है। माह भर में हुई 4,227 वाहनों की जांच में 111 वाहनों में कर चोरी पकड़ी गई। इनमें 37 वाहनों पर आयरन स्टील लदे थे, जिनसे टीमों ने 59 लाख रुपये विभाग में जमा कराए हैं। स्टेट जीएसटी के अयोध्या जोन में सचल दल की पांच टीमें हाईवे व अन्य मार्गों पर माल लदे वाहनों को रोककर उनकी जांच करती हैं। अगस्त में इन टीमों को 2700 वाहनों को जांचने का लक्ष्य दिया गया था। इनसे कर चोरी मिलने पर दो करोड़ रुपये विभाग में जमा कराना था।

इसके सापेक्ष टीमों ने अलग–अलग क्षेत्रों से 4,227 वाहनों की जांच की है। इस दौरान 111 वाहनों में अलग–अलग तरीके से कर चोरी पकड़ी गई तो उनसे 1.51 करोड़ रुपये वसूले गए। इनमें 51 वाहनों पर संवेदनशील श्रेणी की वस्तुयें लदी थीं, जिनसे 77.68 लाख रुपये जमा कराए गए। वहीं, पान–मसाला लदे 10 वाहनों से 36 लाख, सुपारी लदे एक वाहन से 7.74 लाख, तंबाकू लदे नौ वाहनों से 34 लाख रुपये कर चोरी पकड़े जाने पर जमा कराए गए हैं।

इन वाहन स्वामियों को भविष्य में कर चोरी न करने और राष्ट्रहित में टैक्स जमा करने के निर्देश भी दिए गए हैं। अपर आयुक्त ग्रेड–1 अरविंद कुमार ने बताया कि आयरन स्टील, पान–मसाला उत्पादों में आदि में लगातार कर चोरी का प्रयास अभी भी हो रहा है। इस पर अंकुश लगाने के लिए टीमों को निर्देश दिए गए हैं। कार्रवाईयों से बचते हुए देश हित में लोगों को सर्दव ईमानदारी से कर जमा करके देश की उन्नति और तरक्की में सहयोगी बनना चाहिए।

चोरों ने छत के रास्ते घर मे घुसकर एक लाख नगदी सहित लाखों रुपये का माल किया पार

ब्यूरो प्रमुख / विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जफराबाद। क्षेत्र के बीबीपुर गांव में रविवार की रात को समर बहादुर सिंह उर्फ करिया एडवोकेट के घर चोरों ने छत के रास्ते से घर मे घुस कर एक लाख नगद और लाखों रुपये के आभूषण को पार कर दिया।घटना की जानकारी सुबह होते ही हड़कम्प मच गया।सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई। पीड़ित समर बहादुर सिंह अपनी पत्नी सुधा सिंह के साथ प्रतिदिन की तरह रविवार की रात भोजन करने के बाद अपनी पत्नी के साथ एक कमरे में सोए थे। रात में ही छत के रास्ते चोरों ने घर मे घुसकर कमरे का ताला तोड़कर उसमें रखी दो अलमारियों को तोड़ डाला।उसमें एक लाख नगद व लाखो के आभूषण थे। जिसमें एक मंगलसूत्र, पांच सोने की चौन,नौ सोने की अंगूठी दो सोने के टप्श,एक छुमका,तथा चादी के आधा किलो गहने थे।उसे चोर उठा ले गए। सुबह जब आंख खुली तो दूसरे कमरे के बिखरे समान को देख होश उड़ गए।उसके बाद शोरगुल सुन पास पड़ोस के लोग पहुंच गए।पुलिस को सूचना होते ही मौके पर पहुंच कर जांच में जुट गई।दूसरी तरफ गांव के लोगो ने गांव में एक संदिग्ध युवक को पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया।संदिग्ध युवक से पूछने पर बताया कि मेरा नाम शुभम दयाल निवासी चौबेपुर जिला वाराणसी है। उसने बताया की मैं वाराणसी से जौनपुर जा रहा था। बीच रास्ते में उतर गए। मोथहा गांव में बने भैंसासुर मंदिर पर रात में रुक गए। सुबह गांव वालो ने मुझे चोर समझ कर मंदिर से बीबीपुर गांव में लाए। इस संदर्भ में थानाध्यक्ष जयप्रकाश यादव से चोरी के विषय में बात की गई तो उन्होंने बताया तहरीर के आधार पर जांच की जा रही है।

कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी को लेकर सिख समाज का जोरदार विरोध

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आज लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी के द्वारा फिल्म इमरजेंसी की प्रोड्यूसर और भाजपा सांसद कंगना रनौत के बारे में जोरदार विरोध प्रकट करते हुए कहा गया कि अगर कंगना रनौत अपने द्वारा कहे गए वक्तव्य को वापस नहीं लेती है तो कानूनी रूप से उनकी फिल्म को हम चलने नहीं देंगे और सेंसर बोर्ड को हमने नोटिस भेजा है उसके साथ–साथ ही कंगना रनौत को भी

लीगल नोटिस जारी की गई है पंजाब हरियाणा के हाईकोर्ट में भी रिट आज का दाखिल करके फिल्म को सेंसर करने की मांग की गई है सिख समुदाय के द्वारा इस मामले पर बात करते हुए कहा गया कंगना रनौत सांसद बनने के लायक ही नहीं है

उनको राष्ट्रपति का नाम तो ठीक से पता ही नहीं है अमित शाह ने कंगना रनौत को हिदायत दी है कि गलत बयान बाजी से दूर रहे इस मामले पर और बात करते हुए सतपाल सिंह मीत प्रवक्ता के द्वारा बताया गया की हम इस लड़ाई को कानूनी रूप से लड़ेंगे और जीत हमारी होगी।

भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयता वादी की जिला इकाई बैठक संपन्न

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ। आज भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रीयतावादी की बैठक राष्ट्र कार्यालय चिनहट तिराहे पर जिला इकाई बैठक संपन्न हुई जिसमें कई मुद्दों को लेकर जनता से वार्ता हुई जिसमें सबसे बड़ा मुद्दा 35 वर्ष पूर्व लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अधिकृत भूमि का मुआवजा आज तक भुगतान न किया जाने के संबंध में और 22 चबूतरा दुकानों की लॉटरी की डेट निश्चित ना होना और विलंब होना और बारात घर को लेकर शेष बचे 200 चबूतरो को लेकर नए फॉर्म भरने के संबंध में और ग्रामीण क्षेत्र में नगर निगम द्वारा साफ सफाई को लेकर आश्वासन मिला था नगर निगम जोन 4 के जोनल अधिकारी संजय यादव जी ने वादा किया था की तखवा कठौता विजयपुर बड़ा भरवारा चिनहट गुलाम हुसैन पूर्व आदि गांव की साफ सफाई को लेकर जो वादा किया था वह अभी तक अधूरा है किसान पीड़ित है नगर निगम के अधिकारी उसे पर ध्यान नहीं दे रहे हैं ना ही सफाई हो रही है नहीं छिड़काव हो रहा है इन सभी मुद्दों पर आज दिनांक 15 सितंबर को किसानों से बातचीत हुई जिसमें से संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व में अशोक यादव संपन्न हुई साथी में हमारे युवा जिला अध्यक्ष विवेक यादव जी जिला उपाध्यक्ष संजय जी कटौता ग्राम अध्यक्ष उमेश लोधी जी चिनहट महिला अध्यक्ष मालती देवी चिनहट ग्राम अध्यक्ष लाला विजयपुर ग्राम अध्यक्ष शिवपाल यादव भरवारा ग्राम अध्यक्ष दिनेश रावत प्रवेश सुरेश लोधी अयोध्या प्रसाद सभी किसान भाइयों के साथ बैठक संपन्न हुई भारतीय किसान यूनियन राष्ट्रवादी जिंदाबाद राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर रामचंद्र सिंह जिंदाबाद जय जवान जय किसान भारत माता की जय।

विकसित भारत के लिए युवाओं का योगदान महत्वपूर्ण - प्रो. अजय द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रबंध अध्ययन संकाय के वित्तीय अध्ययन विभाग में प्रोस्पेरिटी अनलीश्ड रू ए विजनरी गाइड टू विकसित भारत 2047 विषयक एक तीन दिवसीय स्टूडेंट्स सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य विकसित भारत के विभिन्न घटकों पर चर्चा करना और छात्रों को प्रेजेंटेशन स्किल को बढ़ाना था। तीन दिन तक चले सेमिनार में कुल लगभग 30 छात्र –छात्राओं ने प्रतिभाग किया तथा विकसित भारत 2047 से सम्बंधित कुल छः उप विषय जैसे कि सतत विकास लक्ष्य, स्मार्ट सिटी मिशन, वित्तीय समावेशन और बैंकिंग सुधार, शिक्षा सुधार, डिजिटल इंडिया तथा लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर उन्होंने अपना शोध पत्र पढ़ा। कार्यक्रम के प्रेरणास्रोत तथा प्रबंध अध्ययन संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. अजय द्विवेदी ने कहा कि भारत के युवाओं के सामर्थ्य का अधिकतम योगदान सुनिश्चित करते हुए

विकसित भारत का लक्ष्य 2047 प्राप्त किया जा सकता है। बशर्ते युवाओं को सही मार्गदर्शन मिले जिसमें उच्च शैक्षणिक संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। विभागाध्यक्ष डा. आलोक गुप्ता ने कहा कि भारत अब थर्ड वर्ल्ड कंट्री की पहचान से बाहर निकलते हुए वैश्विक जगत पर अपनी एक नयी पहचान बना रहा है तथा अपनी बारगेनिंग पॉवर को पहले से और मजबूत कर रहा है। प्राध्यापक सुशील कुमार ने छात्र छात्राओं को प्रेजेंटेशन स्किल की महत्ता और वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। छात्रों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन से न केवल उनकी बौद्धिक क्षमता में बढ़ाती है अपितु आत्मविश्वास में भी उत्तरोत्तर वृद्धि होती है जो कि सर्वांगीण विकास का द्योतक है। संयोजक अबू सालेह ने सबका स्वागत किया और अंत में आयोजन सचिवद्वय मनोज कुमार त्रिपाठी तथा यशि सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस मौके पर आशु सिंह, आशीष सिंह, भरत राय, दीपक प्रजापति, दिव्या तिवारी, गंगा सागर सिंह, किशन चौहान, प्रियांशी सिंह, रीतेश कुमार, रुपाली चौरसिया, सबा खातून, सौम्या गुप्ता, सेजल श्रीवास्तव, शिवम् अस्थाना, श्याम त्रिपाठी, विशाल यादव आदि उपस्थित रहे।

करंट लगने से युवक की मौत, बालक और किशोरी गंभीर रूप से झुलस गये

एटा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के एटा में अलग–अलग थाना क्षेत्रों में हुई घटनाओं में करंट की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, एक किशोरी और बालक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद घर में रोना बिलखना शुरू हो गया। थाना कोतवाली नगर के मोहल्ला नगला प्रेमी निवासी चंदनसिंह (45) घर से दुकान पर कुछ सामान लेने जा रहे थे। जैसे ही घर से निकले रास्ते में टूटे पड़े बिजली के तार पर उनका पैर रख गया। इसके चलते करंट की चपेट में आने से वह घायल हो गए। परिजन लेकर मेडिकल कॉलेज आए तो चिकित्सक ने उनको मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही घर में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। इसके साथ ही मिरहची थाना क्षेत्र के गांव सिरसा टिप्पू निवासी किशोरी मीनू घर पर पोंछा लगा रही थी। उसी समय उसका हाथ खुले हुए तार से छू गया। इसके चलते वह घायल हो गई, परिजन लेकर मेडिकल कॉलेज आए। यहां किशोरी का उपचार चल रहा है। वहीं थाना बागवाला के गांव सियपुर निवासी देवेंद्र ने बताया कि उनका बेटा प्रियांशू घर पर अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। घर पर हो रही बिजली फिटिंग के चलते तार इधर–उधर फैले हुए हैं। किसी तरह से बालक तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन लेकर मेडिकल कॉलेज आए, यहां उपचार चल रहा है।

जंगल में एक साथ मिले चार सियारों के शव

बाराबंकी, संवाददाता। जंगली जानवरों व सियार के हमलों में लोगों के घायल होने के बीच हैदरगढ़ वन रेंज के एक जंगल में चार सियार के शव मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना मिलने के बाद भी वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचे। सियारों की मौत कैसे हुई। जंगल में और सियार तो मृत नहीं हुए यह रहस्य बना हुआ है। शाम को डीएफओ के निर्देश पर टीम रवाना हुई। हैदरगढ़ वन रेंज में सुबेहा थाना क्षेत्र के पंडित पुरवा मजरे थलवारा गांव के निकट रविवार दोपहर जंगल में कुछ ग्रामीण मवेशी लेकर गए थे। चरवाहों ने देखा कि जंगल के अंदर कुछ ही दूरी के अंतराल पर चार सियार मृत पड़े थे। शव सड़ रहे थे जिससे भीषण बदबू आ रही थी। लोगों ने और शव होने की आशंका जताई मगर आगे नहीं गए। किसान यूनियन (कमेरा) के तहसील अध्यक्ष महेश यादव बताया कि उन्होंने इसकी सूचना वन विभाग के कर्मचारियों को दी लेकिन शाम तक कोई भी जांच करने मौके पर नहीं पहुंचा। जबकि मृत पड़े सियारों का शरीर सड़ चुका है और दुर्गंध फैल रही है। ग्रामीणों भी इसे लेकर अनभिज्ञता जता रहे हैं। शाम को इस संबंध में वन क्षेत्राधिकारी राकेश तिवारी ने बताया उन्हे कोई जानकारी नहीं है। वहीं, लोगों ने बताया कि जंगल के पास ही मुर्गीफार्म भी हैं।

10 दिन में मारे जा चुके हैं चार सियार

मोहम्मदपुर खाला, जैदपुर व घुंघटेर थाना क्षेत्रों में बीते 10 दिन में सियार के हमलों में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो चुके है। ग्रामीणो इन क्षेत्रों में अब तक चार सियार मार चुके है। लेकिन सुबेहा इलाके में एक साथ चार सियारों के जंगल में मृत मिलने का मामला किसी के गले से उतर नहीं रहा है। थलवारा के जंगल में सियारों की मौत के मामले की जांच कराई जा रही है। टीम को मौके पर भेजा गया है। पोस्टमार्टम से मौत के कारणों का पता लग सकता है।

कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में रविवार की सुबह कई पीसीएस अधिकारियों के तबादले हुए। अंजू कटियार को राजस्व परिषद में ओएसडी बनाया गया है। अंजू कटियार यूपीपीएससी द्वारा आयोजित एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा में पेपर लीक होने के मामले की आरोपी हैं। तब अंजू कटियार आयोग में परीक्षा नियंत्रक थीं। मामले में आने के बाद वह निलंबित और गिरफ्तार हो गईं थीं। आठ माह जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर हैं। अब उन्हें यह पद दिया गया है।

संजीव ओझा प्रयागराज मेला प्राधिकरण बनाए गए। महेंद्र कुमार श्रीवास्तव राज्य चीनी निगम मुंडेरवा बनाए गए। इसी तरह अरुण कुमार को एडीएम बदायूं बनाया गया। देवेंद्र पाल सिंह को सिटी मजिस्ट्रेट बदायूं बनाया गया। शशि भूषण को अपर आयुक्त मुरादाबाद मंडल बनाया गया। सुभाष चंद्र यादव को एडिशनल कमिश्नर वाराणसी मंडल बनाया गया है।अजय कुमार तिवारी को सीआरओ प्रतापगढ़ बनाया गया है। भगवान शरण को एडिशनल कमिश्नर चित्रकूट धाम मंडल बनाया गया है। रमेश यादव को अपर आयुक्त सहारनपुर मंडल बनाया गया है। प्रियंका को अपर आयुक्त झांसी मंडल बनाया गया है। शमशाद हुसैन को अपर आयुक्त आजमगढ़ मंडल बनाया गया है । राकेश कुमार गुप्ता को आयुक्त वाराणसी मंडल बनाया गया है। प्रदेश में शुक्रवार रात 13 नहीं, बल्कि 29 आईएएस अफसरों के तबादले हुए थे। नियुक्ति विभाग ने शनिवार सुबह मीडिया को सूची जारी की। लखनऊ के डीएम सूर्य पाल गंगवार और बुलंदशहर के डीएम सीपी सिंह का तबादला नहीं हुआ है। वे अपने पद पर बने रहेंगे। राज्य सरकार ने शुक्रवार रात 13 जिलों के डीएम समेत 29 आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारी में बदलाव किया था। जारी सूची के अनुसार, हमीरपुर के डीएम राहुल पांडेय को हाथरस में इसी पद पर भेजा गया है। राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के निदेशक अंजनी कुमार सिंह को मैनपुरी का डीएम बनाया गया है। शाहजहांपुर के डीएम उमेश प्रताप सिंह को विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग, अमरोहा के डीएम राजेश कुमार त्यागी को विशेष सचिव पंचायतीराज, हाथरस के डीएम आशीष कुमार को विशेष सचिव स्टांप एवं रजिस्ट्रेशन विभाग एवं अपर महानिरीक्षक निबंधन और मेरठ के नगर आयुक्त अमित पाल को उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण के पद पर तैनाती दी गई है। विशेष सचिव भूतत्व एवं खनिकर्म डॉ. मन्नान अख्तर को विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा एवं प्रबंध निदेशक, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, प्रोमोट फार्मा बनाया गया है। अयोध्या के सीडीओ ऋषि राज को नगर आयुक्त फिरोजाबाद, बलरामपुर के सीडीओ संजीव कुमार मौर्या को नगर आयुक्त बरेली, सोनभद्र के सीडीओ सौरव गंगवार को नगर आयुक्त मेरठ, आगरा के संयुक्त मजिस्ट्रेट कृष्ण कुमार सिंह को अयोध्या का सीडीओ, प्रयागराज की संयुक्त मजिस्ट्रेट जागृति अवस्थी को सोनभद्र का सीडीओ और उन्नाव के संयुक्त मजिस्ट्रेट हिमांशु गुप्ता को बलरामपुर का सीडीओ बनाया गया है। फतेहपुर की डीएम सी इंदुमती को विशेष सचिव चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग, विशेष सचिव नगर विकास विभाग धर्मेंद्र प्रताप सिंह को शाहजहांपुर का डीएम, आजमगढ़ के डीएम विशाल भारद्वाज को कुशीनगर का डीएम बनाया गया है।

रविंद्र को मंडी परिषद और भानुचंद्र को चकबंदी आयुक्त का प्रभार

प्रमुख सचिव, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं निर्यात प्रोत्साहन विभाग रविंद्र को वर्तमान पद के साथ निदेशक राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। आगरा के डीएम भानु चंद्र गोस्वामी प्रभारी चकबंदी आयुक्त, प्रभारी राहत आयुक्त और विशेष सचिव राजस्व बनाए गए हैं। सचिव राजस्व, राहत आयुक्त और चकबंदी आयुक्त नवीन कुमार जीएस को सचिव सिंचाई के पद पर तैनाती मिली है।

यूपी के मेडिकल कालेजों में दाखिला पाने के लिए बदले धर्म, पकड़े गए

लखनऊ, संवाददाता। प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के वक्त अल्पसंख्यक कोटे का फायदा लेने के लिए तमाम हिंदू छात्र बौद्ध और जैन बन गए। इन छात्रों ने निर्धारित प्रक्रिया का भी पालन नहीं किया। मामला सामने आने के बाद अब नए सिरे से सभी के प्रमाण पत्रों की जांच शुरू कराई गई है। ऐसे में 17 छात्रों के अलावा अन्य छात्र भी कार्यवाही के दायरे में आ सकते हैं। प्रदेश के छह अल्पसंख्यक कॉलेजों में एमबीबीएस की 475 और एमडीएस की 150 सीटें हैं। इन कॉलेजों में दाखिले के लिए सीटें आरक्षित करने के लिए छात्रों को अल्पसंख्यक (मुस्लिम, बौद्ध, जैन, पारसी, इसाई) का प्रमाण पत्र देना होता है। उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिशेध अधिनियम 2021 लागू होने के बाद धर्म परिवर्तन करने से 60 दिन पहले आवेदन करना होता है। आवेदन के 30 दिन तक आपत्ति ली जाती है। इसके बाद ही प्रमाण पत्र जारी किया जाता है। सूत्रों के मुताबिक अल्पसंख्यक कोटे की सीटें हासिल करने के लिए तमाम हिंदू छात्र आनन– फानन में बौद्ध और जैन बनकर दाखिला ले लिया। इन्होंने दाखिले के लिए प्रमाण पत्र भी लगा दिया। जब इनके प्रमाण पत्रों की जांच कराई गई तो पता चला कि धर्म परिवर्तन की निर्धारित प्रक्रिया पूरी नहीं की गई है। अभी तक 22 ऐसे छात्र चिन्हित किए गए हैं, जिसमें 17 ने दाखिला ले लिया था। अब इन छात्रों का दाखिला निरस्त करने की तैयारी चल रही है। दूसरी तरफ अन्य कॉलेजों में दाखिला लेने वालों की भी जांच शुरू कर दी गई है। 17 छात्रों के फर्जी प्रमाण पत्र से दाखिला लेने का मामला सामने आने के बाद दूसरे चरण की काउंसिलिंग में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

ट्रक ने मारी टक्कर, 50 मीटर घिसटी एसयूवी

लखनऊ, संवाददाता। बंथरा थाने के पास शनिवार देर रात तेज रफ्तार ट्रक ने एसयूवी में जोरदार टक्कर मार दी। एसयूवी ट्रक में फंसकर 50 मीटर तक घिसटती चली गई। गनीमत रही कि एसयूवी सवार तीन लोग बाल–बाल बच गए। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी चालक ने हत्या का प्रयास किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। वृंदावन कॉलोनी निवासी अशोक कुमार सिंह एक खाद्य कंपनी में काम करते हैं। शनिवार रात एसयूवी से झांसी से लौट रहे थे। उनके साथ राजीव कुमार व अर्चना यादव भी थीं। अशोक का आरोप है कि बंथरा थाने के पास ट्रक ने पीछे से एसयूवी में जोरदार टक्कर मार दी। उनकी एसयूवी ट्रक में फंस गई। आरोप है कि चालक उनको मारने की नीयत से जानबूझकर एसयूवी को 50 मीटर तक घसीटता चला गया। किसी तरह अशोक चलती एसयूवी से कूदे और ट्रक रुकवाया। इस पर आरोपी चालक भागने लगा। ग्रामीणों ने उसे दबोच लिया और जमकर धुना। सूचना पर पहुंची पुलिस आरोपी चालक को अपने साथ थाने ले गई। इंस्पेक्टर बंथरा राम सिंह के मुताबिक आरोपी चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने की धारा में कार्रवाई की गई है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।